# सेवा क्षेत्र

09
अध्याय

*सेवा क्षेत्र का भारत के सकल सबर्द्धित मूल्य में 54 प्रतिशत का योगदान है। इसकी वृद्धि दर 2017-18 के 8.1 प्रतिशत से कम होकर 2018-19 में 7.5 प्रतिशत रह गई। जिन क्षेत्रों में मंदी देखी गई वे हैं–पर्यटन, व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण संबंधी सेवाएं, लोक प्रशासन और रक्षा। वित्तीय रीयल इस्टेट और व्यावसायिक सेवाओं की श्रेणी में तेजी देखी गई। एक महत्वपूर्ण बात यह पायी गई है यह है कि भारत का सेवा क्षेत्र जीवीए में अपनी हिस्सेदारी के अनुपात में रोजगार का सृजन नहीं करता है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव के विपरीत है। भारत में 2017-18 के 10.4 मिलियन की तुलना में 2018-19 में 10.6 मिलियन पर्यटक भारत आए। तथापि, पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई घटकर 28.7 बिलियन डालर से घटकर 27.7 बिलियन डालर पर आ गई। बहुत से अधिक बारंबरता वाले संसूचक जैसे कि सेवा क्षेत्र को बैंक ऋण, 2018-19 में कम हो गए फिर भी आई.टी.बी.एम.पी. उद्योग 2017-18 में 8.4 प्रतिशत बढ़कर 167 बिलियन अमेरिकी डालर पर पहुंच गया और इसके 2018-19 में 181 बिलियन अमेरिकी डालर तक पहुंच जाने का अनुमान है।*

## भारत में सेवा क्षेत्र का प्रदर्शनः एक सिंहावलोकन

### सेवा क्षेत्र में भारत का सकल सबर्द्धित मूल्य

9.1 सकल सबर्द्धित मूल्य के अनंतिम अनुमानों के अनुसार सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर 2017-18 कें 8.1 प्रतिशत से 2018-19 में कम होकर 7.5 प्रतिशत पर आ गई (सारणी 1)। यह गिरावट उप-क्षेत्रों अर्थात व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण सेवाओं में 2018-19 में 6.9 प्रतिशत गिरावट आने और लोक प्रशासन एवं रक्षा में 8.6 प्रतिशत की गिरावट आने के चलते हुई। अच्छी बात यह रही कि उप-क्षेत्रों वित्तीय सेवाएं स्थावर सम्पदा और व्यावसायिक सेवाओं में 2017-18 मे 6.2 प्रतिशत से 2018-19 में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वृद्धि में हालिया नरमी रहने के बावजूद सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन कृषि और विनिर्माण में वृद्धि से बेहतर रहना जारी था, जिसका कुल जीवीए वृद्धि में 60 प्रतिशत से भी अधिक योगदान था।

9.2 सेवा क्षेत्र की वृद्धि में आई यह कमी कुछ उच्च बारंबरता वाले संसूचकों में भी दर्शायी गई थी (चित्र 1)। बैंक साख की बढ़त में सितम्बर 2018 और फरवरी 2019 के बीच उल्लेखनीय रुप से स्थिरता आई है। निक्की इंडिया सर्विसेज परियोजना मैनेजर्स सूचकांक, में जिसे नवंबर 2018 से गिरावट

**सारणी 1: भारत के जीवीए में सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन**

| क्षेत्र | जीवीए में हिस्सा वृद्धि (वर्षनुवर्ष प्रतिशत) | वृद्धि (प्रतिशत वईओवाई) | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2018-19 (पी) | 2016-17 | 2017-18 | 2018- 19 (पी) | 2018- 19 (पी) | | | |
| | | | | | Q1 | Q2 | Q3 | Q4 |
| कुल सेवा (निर्माण को छोड़कर) | 54.3 | 8.4 | 8.1 | 7.5 | 7.1 | 7.3 | 7.2 | 8.4 |
| व्यापार होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण संबंधी सेवाएं | 18.3 | 7.7 | 7.8 | 6.9 | 7.8 | 6.9 | 6.9 | 6 |
| वित्तीय, रीयल इस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं | 21.3 | 8.7 | 6.2 | 7.4 | 6.5 | 7 | 7.2 | 9.5 |
| लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाएं | 14.7 | 9.2 | 11.9 | 8.6 | 7.5 | 8.6 | 7.5 | 10.7 |

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।

टिप्पणी: हिस्सा वर्तमान मूल्य पर हैं और वृद्धि स्थिरीक 2011-12 मूल्य पर।, पी: अनंतिम अनुमान

**चित्र 1(क) सेवा क्षेत्र को बैंक ऋण (वर्षनुवर्ष) में वृद्धि (प्रतिशत में)**

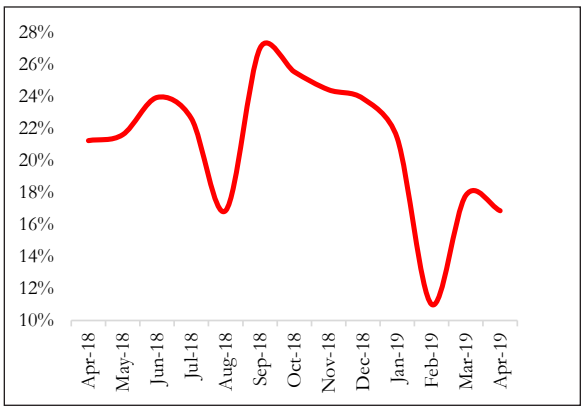


**चित्र 1(ख) निक्की इंडिया सर्विसेज परचेस्ता मैनेजर्स सूचकांक**

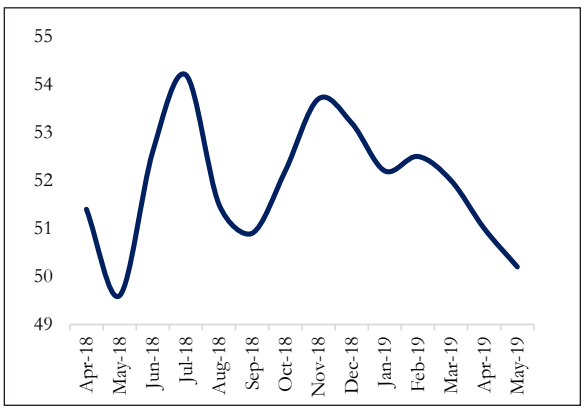


**चित्र 1(ग) सीपीआई सेवाएं मुद्रास्फीति (प्रतिशत में)**

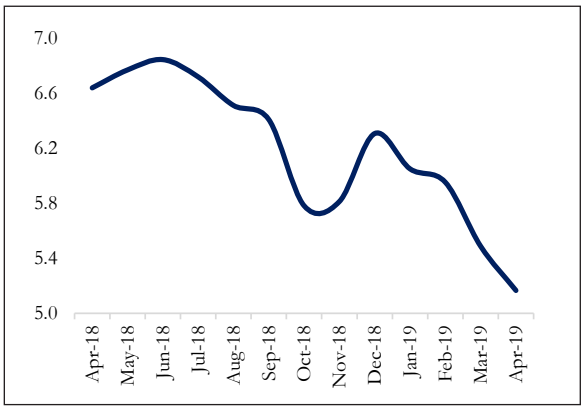


**चित्र (घ) हवाई यातायात में वृद्धि (वर्षनुवर्ष) (प्रतिशत में)**

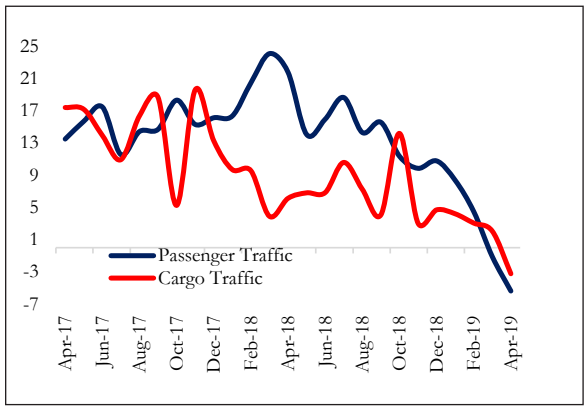


स्रोत: भारतीय रिजर्व बैंक, आईएचएस मार्किट इकॉनोमिक्स, श्रम ब्यूरो, नागर विमानन मंत्रालय।

की प्रवृति थी, मई 2019 में एक वर्ष नीचे 50.2 पर आ गया। सीपीआई सेवा मुद्रास्फीति भी दिसंबर 2018 से कम होने लगी।

9.3 राज्यों का प्रदर्शन दर्शाता है कि 33 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में से 14 राज्यों में कुल जीएसवीए में सेवाओं का हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक था (सारणी 2)। विशेषकर चंडीगढ़ और दिल्ली में सेवाओं की हिस्सेदारी अधिक थी इसकी हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक थी। सिक्किम की 30.2 प्रतिशत पर सबसे कम हिस्सेदारी थी। इसके विपरीत, गुजरात, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में जीएसवीए में सेवा क्षेत्र का योगदान 40 प्रतिशत से कम था। यहां तक कि सेवाओं की अपेक्षाकृत कम हिस्सेदारी वाले राज्य जैसे कि हरियाणा, झारखण्ड, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और उत्तराखण्ड में भी हाल के वर्षों में सेवा क्षेत्र में तेज वृद्धि देखी गई। टिप्पणी: (कुछ राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रो जैसे कि केरल, जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, असम, नागालैंड, गोवा, गुजरात, अंडमान और निकोबार द्वीप समूहों, चंडीगढ़ में केवल 2016-17 तक ही के आकड़े उपलब्ध हैं।)

**सारणी 2: राज्य स्तरीय सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन**

| राज्य | 2017-18 में जीएसवीए में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी (प्रतिशत) | सेवा क्षेत्र में वृद्धि (प्रतिशत वर्षनुवर्ष, 2013-17 औसत) |
|---|---|---|
| चंडीगढ़* | 88.9 | 7.2 |
| दिल्ली | 84.3 | 8.4 |
| अंडमान और निकोबार द्वीप समूह* | 68.5 | 7 |
| कर्नाटक | 65.9 | 10.5 |
| मणिपुर | 65.5 | 5.9 |
| तेलंगाना | 63.2 | 10.7 |
| केरल* | 62.6 | 6.7 |
| बिहार | 62.2 | 8.4 |
| महाराष्ट्र | 58.5 | 8.9 |
| जम्मू व कश्मीर* | 57.5 | 5.7 |
| मेघालय | 57.2 | 6.3 |
| नागालैण्ड* | 56.3 | 5.7 |
| पश्चिम बंगाल | 54.0 | 6.7 |
| तमिलनाडु | 53.4 | 6.5 |
| हरियाणा* | 49.8 | 10.5 |
| झारखण्ड | 49.3 | 9.8 |
| पुदुच्चेरी | 48.2 | 4.7 |
| उत्तर प्रदेश | 48.0 | 7.5 |
| असम* | 47.5 | 5.7 |
| पंजाब | 46.1 | 7.1 |
| ओडिशा | 45.2 | 9.4 |
| राजस्थान | 44.2 | 7.0 |
| हिमाचल प्रदेश | 43.3 | 8.1 |
| मिजोरम | 43.0 | 4.5 |
| आंध्र प्रदेश | 42.7 | 9.2 |
| अरूणाचल प्रदेश | 40.1 | 9.1 |
| त्रिपुरा | 39.7 | 3.0 |
| उत्तराखण्ड | 39.7 | 9.2 |
| छत्तीसगढ़ | 36.4 | 6.3 |
| गोवा* | 35.9 | 5.5 |
| गुजरात* | 35.5 | 8.9 |
| मध्य प्रदेश | 35.4 | 6.3 |
| सिक्किम | 30.2 | 5.1 |

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।

टिप्पणी: *2016-17 तक उपलब्ध आकड़ों पर आधारित।

## सेवा क्षेत्र में व्यापार

9.4 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में मजबूत प्रदर्शन के बाद अप्रैल-दिसंबर 2018 के दौरान सेवा निर्यात में कुछ मंदी रही (सारणी 3)। उप-क्षेत्रों द्वारा परिवहन सेवाओं का निर्यात 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर 2018) के दौरान अपनी गति मजबूत बनाए रखी गयी, इसे पण्यवस्तु व्यापार क्रियाकलाप के सुदृढ़ीकरण से सहायता मिली, जबकि कम्प्यूटर और आईसीटी सेवाओं के निर्यात में सतत् सुधार जारी रहा। दूसरी ओर यात्रा की प्राप्तियों में 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में मजबूत वृद्धि दर्ज किए जाने के बाद अप्रैल-दिसंबर 2018 के दौरान कुछ हद तक नरमी रही, जो इस अवधि के दौरान विदेशी पर्यटकों का आगमन कम होने की तर्ज पर थी। कारोबार सेवाओं के निर्यात में भी यही रुझान देखा गया। इसी दौरान, सभी क्षत्रों मे आयात में गिरावट आने के परिणामस्वरूप पिछले वर्ष से अप्रैल-दिसंबर, 2018 के दौरान सेवा आयात घटा है। 2017-18 (अप्रैल-दिसम्बर) की स्थिति के अनुसार बढ़ते सेवा व्यापार अधिशेष से भारत के लगभग 50 प्रतिशत व्यापार घाटे के वित्त पोषण में सहायता मिली। तथापि, सेवा व्यापार अधिशेष मुख्यत: कम्प्यूटर और आईसीटी सेवाओं की वजह से हुआ था, और कुछ हद तक यात्रा सेवाओं के परिणामस्वरूप था। साथ-साथ भारत व्यापार सेवाओं, बीमा तथा पेंशन में बहुत ही कम व्यापार अधिशेष और वित्तीय सेवाओं में कम व्यापार घाटा उठाता है।

9.5 कम्प्यूटर और आईसीटी सेवाओं, व्यापार सेवाओं और यात्रा सेवाओं का कुल सेवा निर्यात में लगभग 75 प्रतिशत योगदान है। तथापि कुल सेवा निर्यात में उप-क्षेत्रों की हिस्सेदारी की प्रवृति हालिया वर्षों में मिली-जुली रही। जबकि परिवहन जैसी पारंपरिक सेवाओं की हिस्सेदारी, जोड़े गए मूल्य की सेवाओं जैसे कम्प्यूटर और आईसीटी वित्तीय सेवाओं और बीमा तथा पेंशन में भी गिरावट देखी गई। साथ ही साथ यात्रा सेवाओं की हिस्सेदारी इस अवधि के दौरान कुछ हद

**सारणी 3: उप-क्षेत्रों द्वारा सेवा व्यापार का प्रदर्शन (बिलियन अमरीकी डालर)**

| | प्रतिशत में हिस्सेदारी | | मूल्य (बिलियन अमरीकी डालर) | | | वर्षनुवर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उप-क्षेत्रों द्वारा | 2012-13 | 2017-18 | Apr-Dec 2016-17 (पी) | Apr-Dec 2017-18 (पी) | Apr-Dec 2018-19 (पी) | Apr-Dec 2016-17 (पी) | Apr-Dec 2017-18 (पी) | Apr-Dec 2018-19 (पी) |
| सेवा निर्यात | 100 | 100 | 122.4 | 143.5 | 153.5 | 6.5 | 17.2 | 7.0 |
| परिवहन | 12 | 9 | 11.6 | 12.8 | 14.3 | 11.2 | 9.7 | 12.2 |
| यात्रा | 12 | 15 | 16.5 | 20.6 | 20.9 | 7.5 | 24.9 | 1.0 |
| बीमा और पेंशन | 2 | 1 | 1.61 | 1.87 | 1.94 | 8.9 | 15.7 | 3.9 |
| वित्तीय सेवाएं | 3 | 3 | 4.1 | 3.5 | 3.7 | 3.3 | -15.0 | 7.7 |
| कम्प्यूटर और आईसीओ | 47 | 41 | 57.8 | 59.3 | 63.8 | 0.0 | 2.6 | 7.7 |
| व्यापार सेवाएं | 20 | 19 | 24.6 | 27.4 | 28.8 | 13.5 | 11.3 | 5.2 |
| अन्य | 5 | 13 | 6.1 | 18.1 | 20.0 | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सेवा आयात | 100 | 100 | 72.6 | 86.1 | 93.3 | 18.4 | 18.6 | 8.4 |
| परिवहन | 18 | 15 | 10.4 | 12.7 | 15.1 | -8.6 | 21.3 | 19.2 |
| यात्रा | 15 | 17 | 12.8 | 14.8 | 16.6 | 14.1 | 15.6 | 12.1 |
| बीमा और पेंशन | 2 | 1 | 1.1 | 1.3 | 1.2 | 17.2 | 25.8 | -10.7 |
| वित्तीय सेवाएं | 6 | 5 | 4.42 | 4.36 | 2.9 | 74.1 | -1.3 | -34.3 |
| कम्प्यूटर और आईसीटी | 4 | 6 | 3.6 | 4.8 | 5.4 | 23.5 | 34.5 | 13.0 |
| व्यापार सेवाएं | 38 | 31 | 24.1 | 27.2 | 29.3 | 7.3 | 13.0 | 7.7 |
| अन्य | 18 | 26 | 16.2 | 21.0 | 22.9 | | | |
| सेवा व्यापार शेष | | | 49.8 | 57.4 | 60.3 | | | |
| माल व्यापार शेष | | | -82.7 | -118.4 | -145.3 | | | |

स्रोत: भारतीय रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया

तक बढ़ी है।

9.6 सेवा व्यापार संबंधी मासिक आंकड़े दर्शाते हैं कि सेवाओं का निर्यात और आयात 2017-18 की दूसरी तिमाही से सुधरने लगे हैं। (चित्र 2) यह प्रवृति 2018-19 की पहली तिमाही तक जारी रही। तथापि, सेवाओं का निर्यात और आयात दोनों 2018-19 की

**चित्र 2: सेवा व्यापार में वृद्धि (3 एमएमए)**

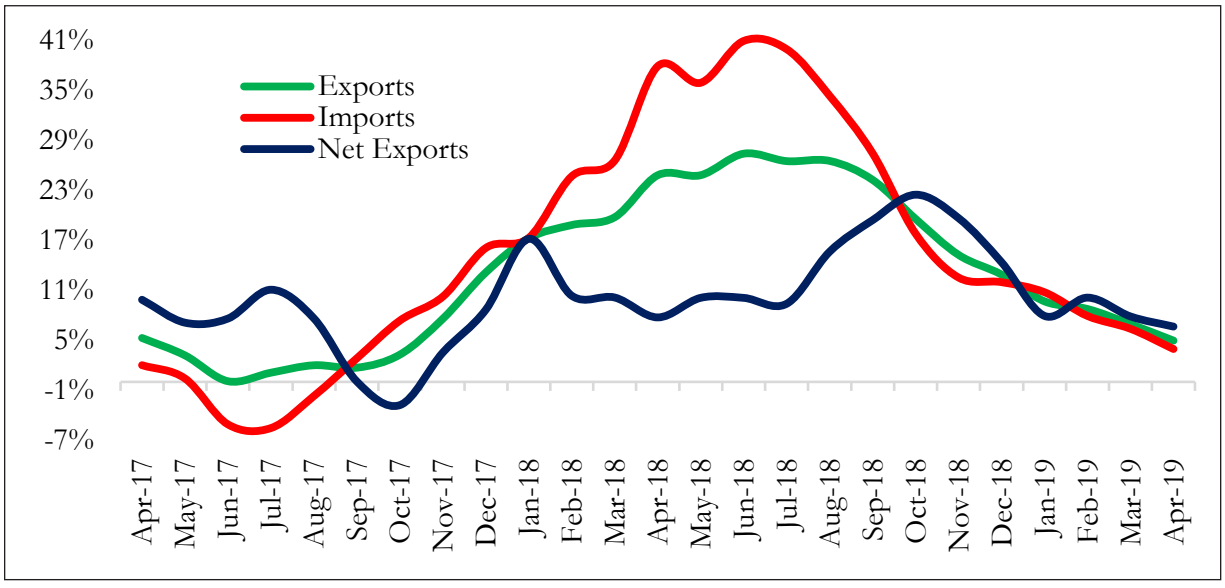


स्रोत: भारतीय रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया
टिप्पणी: 3 एमएमए = तीन महीनों का चल औसत, आंकड़े अनंतिम हैं।

दूसरी तिमाही की शुरूआत से घटने शुरू हो गए।

**बॉक्स 1: वैश्विक वाणिज्यिक सेवा निर्यात और आयात में भारत का स्थान**

वाणिज्यिक सेवाओं, निर्यात और आयात दोनों में भारत का व्यापार 2018 में कम हुआ (चित्र 1)। भारत में वाणिज्यिक सेवा व्यापार में वैश्विक सुधार की तर्ज पर भारत वाणिज्यिक सेवाओं के निर्यात और आयात वृद्धि में सुधार देखा गया। तथापि, 2018 में वाणिज्यिक सेवाओं में विश्व व्यापार में ठहराव आया। भारत का विकास दर घटा है किन्तु वैश्विक बढ़त दर से उँचा बना रहा है।

**चित्र 1(क) वाणिज्यिक सेवा में वृद्धि**

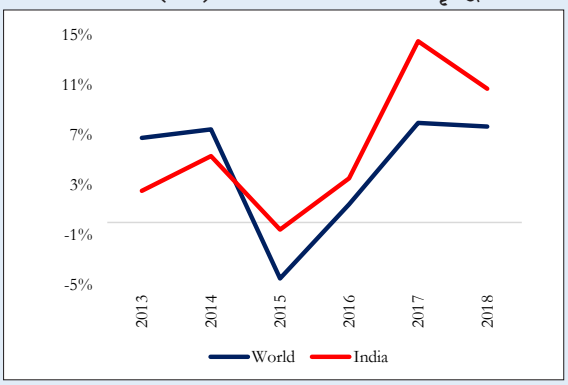


स्रोत: विश्व व्यापार संगठन।

**चित्र 1(ख) वाणिज्यिक सेवा निर्यात में वृद्धि**

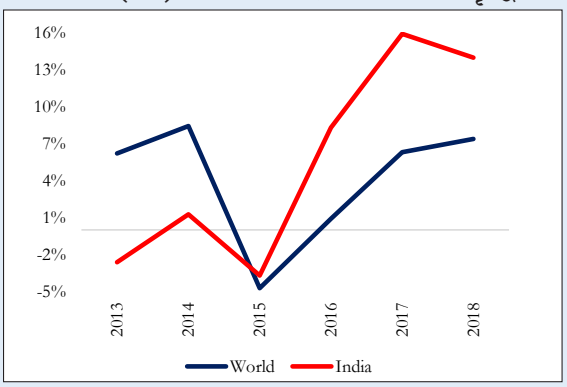


स्रोत: विश्व व्यापार संगठन।

विश्व व्यापार संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत के वाणिज्यिक सेवाओं के निर्यात और आयात में विश्व के 10 शीर्ष देशों में शामिल है। इसका स्थान 2017 में निर्यात में आठवां और आयात में दसवां था, 2016 से इसके स्थान में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है (सारणी 1)। विश्व के वाणिज्यिक सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी पिछले दशक में निरंतर बढ़कर 2017 में 3.5 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

**सारणी 1: वाणिज्यिक सेवाओं के विश्व के शीर्ष 10 निर्यातकों और आयातकों का प्रदर्शन**

| देश | वाणिज्यिक सेवा निर्यात में स्थान निर्यात में हिस्सेदारी (प्रतिशत) | वैश्विक वाणिज्यिक सेवा में स्थान सेवा आयात में हिस्सेदारी (प्रतिशत) | | वाणिज्यिक सेवा निर्यात में रैंकिग | वैश्विक वाणिज्यिक | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | **2017** | **2007** | **2017** | **2017** | **2007** | **2017** |
| सं. राज्य अमरीका | 1 | 13.9 | 14.4 | 1 | 10.9 | 10.2 |
| यूनाइटेड किंगडम | 2 | 8.3 | 6.6 | 6 | 6.3 | 4.1 |
| जर्मनी | 3 | 6.3 | 5.7 | 3 | 8.1 | 6.3 |
| फ्रांस | 4 | 4.2 | 4.7 | 4 | 4.0 | 4.7 |
| चीन | 5 | 3.7 | 4.3 | 2 | 4.2 | 9.1 |
| नीदरलैण्ड | 6 | 2.7 | 4.1 | 5 | 2.8 | 4.2 |
| आयरलैण्ड | 7 | 2.7 | 3.5 | 7 | 3.1 | 3.9 |
| **भारत** | **8** | **2.7** | **3.5** | **10** | **2.5** | **3** |
| जापान | 9 | 3.9 | 3.4 | 8 | 4.8 | 3.7 |
| सिंगापुर | 10 | 2.0 | 3.1 | 9 | 2.3 | 3.4 |

1. वाणिज्यिक सेवाओं में, सरकारी सेवाओं को छोड़कर सभी सेवाएं शामिल हैं।

विश्व वाणिज्य सेवाओं की निर्यात वृद्धि में थोड़ी-सी कमी आई जो 2018 में 7.7 प्रतिशत रही। भारत में भी वाणिज्यिक सेवाओं की निर्यात वृद्धि 2017 में अधिक रही, इसके बाद इसमें थोड़ी सी कमी होकर 2018 में 10.7 प्रतिशत हो गई (सारणी 2)। तथापि, भारत महत्वपूर्ण सेवा-निर्यात देशों में एक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला देश रहा।

सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं, जिनमें स्टार्ट-अप इंडिया, ऋण-शोधन अक्षमता एवं दिवालियापन संहिता, राष्ट्रीय संपदा अधिकार (आईपीआर)नीति, जीएसटी कार्यकाल लागू करना और ईज़ ऑफ डुइंग बिजनेस में सुधार जिनसे विश्व बैंक के ईज़ ऑफ डुइंग बिजनेस सूचकांक में भारत को 2017 में 100 से बढ़कर 2018 में 77 रैंक प्राप्त करने में मदद मिली, डिजिटल इंडिया, ई-वीज़ा, अत्याधुनिक अवसंरचना का दर्जा, आवास क्षेत्र की योजनाएं आदि जिनसे सेवा क्षेत्र की वृद्धि में और तीव्रता आई, जेसे उपाय शामिल हैं। सरकार ने रक्षा, निर्माण कार्यों में वृद्धि, बीमा/पेंशन/ अन्य वित्तीय सेवाओं, आस्ति पुनर्निर्माण कम्पनियों, प्रसारण, नागरिक उड्डयन, भेषज और व्यापार सहित अनेक क्षेत्रों में एफडीआई सुधार लागू की है। निवेशक अनुकूल एफडीआई नीति लागू की गई है जिसके तहत एकल ब्रांड खुदरा व्यापार, निर्माण कार्य विकास और विनियमित वित्तीय क्षेत्र कार्य सहित अधिकांश क्षेत्रों में स्वत: मार्ग के माध्यम से 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है।

**सारणी 2: बड़े निर्यातक देशों में वाणिज्यिक सेवाओं के निर्यत में वृद्धि**

| | वाणिज्यिक सेवाओं के निर्यात में वृद्धि (प्रतिशत) | | |
|---|---|---|---|
| **देश** | **2017** | **2018** | **सीएजीआर (2010-18)** |
| विश्व | 8.0 | 7.7 | 5.2 |
| सं. रा. अमेरिका | 5.2 | 3.8 | 5.1 |
| ब्रिटेन | 2.4 | 5.6 | 3.9 |
| जर्मनी | 8.0 | 7.3 | 5.0 |
| फ्रांस | 5.7 | 6.2 | 4.7 |
| चीन | 8.7 | 17.1 | 5.2 |
| नीदरलैण्ड | 14.3 | 11.4 | 5.2 |
| आयरलैण्ड | 20.5 | 14.3 | 10.6 |
| भारत | 14.5 | 10.7 | 7.3 |
| जापान | 6.4 | 3.1 | 4.5 |
| सिंगापुर | 10.0 | 6.6 | 7.8 |

स्रोत: विश्व व्यापार संगठन। नोट: आंकड़े कैलेण्डर वर्ष के आधार पर हैं।

इसके अतिरिक्त निर्यातो में तेजी लाने के उद्देश्य से सर्विस एक्सपोंअस फ्रोम इडिया स्कीम (एसईआइएस) में व्यापार सेवाएँ, शिक्षण सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवाएँ पर्यटन और यात्रा संबंधित सेवाएँ, परिवहन सेवाएं अपेक्षित हैं। सेवा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने चैम्पियन सेवा क्षेत्र योजना के अंतर्गत सेक्टर संबंधी पहल कार्यों में वित्तपोषण के लिए रूपए 5000 करोड़ की समर्पित निधि का भी सृजन किया है। जांच समिति ने अभी तक कार्पोरेट कार्य मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, आयुष मंत्रालय, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय सहित सात नोडल मंत्रालयों/विभागों के कुल 4,344.75 करोड़ रु. के प्रस्तावों की सिफारिश की है। इस योजना के अंतर्गत, संबंधित मंत्रालयों के माध्यम से डाटा गोपनीयता/सुरक्षा और ई-कॉमर्स में सुधार सहित सेवाओं के निर्यात में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न घरेलू नीतिगत सुधार किए जाएंगे।

## सेवा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश ( एफडीआई )

9.7 सेवा क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह भारत में होने वाले कुल एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह का 60 प्रतिशत से अधिक है। 2018-19 के दौरान, सेवा क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह पिछले वर्ष के लगभग 28 बिलियन डॉलर से घटकर 696 मिलियन डॉलर पर आ गया था जो 1.3 प्रतिशत कम था, जो भारत में हुए संपूर्ण एफडीआई अंतर्वाह में थोड़ी गिरावट के समतुल्य है। ऐसा उप-क्षेत्रों, जैसेकि दूरसंचार, परामर्शी सेवाओं और वायु एवं जल परिवहन के क्षेत्र में कमतर एफडीआई अंतर्वाह के कारण हुआ, जिसकी शिक्षा, खुदरा व्यापार और सूचना एवं प्रसारण के क्षेत्र में हुए बेहतर अंतर्वाह से प्रतिपूर्ति हो गई।

**सारणी 4: सेवा क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह ( मिलियन अमेरिकी डॉलर )**

| सेवा क्षेत्र | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 |
|---|---|---|---|
| वित्त, व्यवसाय, आउटसोर्सिंग, आर एण्ड डी, कूरियर, तकनीकी जांच एवं विश्लेषण | 8,684 | 6,709 | 9,158 |
| कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर | 3,652 | 6,153 | 6,415 |
| व्यापार | 2,338 | 4,348 | 4,462 |
| दूरसंचार | 5,564 | 6,212 | 2,668 |
| सूचना एवं प्रसारण | 1,517 | 639 | 1,252 |
| होटल एवं पर्यटन | 916 | 1,132 | 1,076 |
| अस्पताल एवं निदान केन्द्र | 747 | 708 | 1,045 |
| शिक्षा | 160 | 286 | 777 |
| खुदरा व्यापार | 451 | 224 | 443 |
| परामर्शी सेवाएं | 261 | 760 | 411 |
| जल परिवहन | 735 | 1,051 | 279 |
| वायु परिवहन | 83 | 629 | 191 |
| कृषि सेवाएं | 76 | 110 | 88 |
| सेवाओं में कुल एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह | 25,185 | 28,960 | 28,264 |
| भारत में कुल एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह | 43,478 | 44,857 | 44,366 |
| कुल एफडीआई अंतर्वाह में सेवाओं का हिस्सा | 57.9 | 64.6 | 63.7 |

स्रोत: बड़े सेवा क्षेत्रों में एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह से संबंधित उद्योगों एवं आंतरिक व्यापार के संवर्द्धन से संबंधित विभाग से अनुमानित आंकड़ों का उपयोग किया गया है।

## सेवा क्षेत्रीय सकल सबद्धित मूल्य बनाम रोजगार

9.8 संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रीय लेखा – सांख्यिकी आंकड़ों के अनुसार, 2017 में भारत का स्थान सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में 7वां और सेवा क्षेत्र के संदर्भ में 9वां था। ध्यान देने की बात है कि तब से जी.डी.पी. की दृष्टि से भारत का स्थान 6वें पर पहुंच गया।

[2] वित्त सेवाओं, व्यवसाय सेवाओं, आउटसोर्सिंग, आर एण्ड डी, प्रोद्योगिकी की जांच एवं विश्लेषण, कुरियर, दूरसंचार, व्यापार, कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर, होटल एवं पर्यटन, अस्पताल एवं नैदानिक केन्द्र, परामर्शी सेवाएं, समुद्र परिवहन, सूचना एवं प्रसारण, खुदरा व्यापार, कृषि सेवाओं, शिक्षा, पत्तन एवं वायु परिवहन में एफडीआई अंतर्वाह के रूप में अनुमानित।

हालांकि, तुलना के लिए वर्ष 2017 के आंकड़ों का प्रयोग किया गया है (सारणी 5)। उल्लेखनीय है कि इन 15 देशों में भारत सीएजीआर के संदर्भ में 2017 में और 2007-17 के दौरान दोनों अवधि में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए चीन के बाद दूसरा तेजी से बढ़ता हुआ सेवा क्षेत्र रहा है। सेवाओं के निर्यात के संदर्भ में भारत का स्थान ब्रिटेन के बाद दूसरा है जिसका हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और स्पेन जैसे विकसित देशों के समान है।

9.9 इसके विपरीत, 2017 में सकल घरेलू उत्पाद एवं जीवीए सेवाओं के संदर्भ में शीर्ष 15 देशों में भारत का स्थान सकल मूल्य संवर्धन में सेवा भाग के संदर्भ में चीन के बाद नीचे से दूसरा और रोजगार में सेवा हिस्सा के संदर्भ में सबसे नीचे है। इसके अलावा, अन्य देशों के अनुभव की तुलना में भारत का रोजगार में सेवा हिस्सा 34 प्रतिशत है जो जीवीए के 54 प्रतिशत सेवा हिस्सा से बहुत कम है।

9.10 भारत के सेवा क्षेत्र के प्रदर्शन में यह भिन्नता पाई गई है क्योंकि यह क्षेत्र भारत के आकार के अनुपात में रोजगार सृजित करने में सक्षम नहीं रहा है। रोजगार में सेवाओं का हिस्सा 2017 में लगभग अन्य देशों के सेवा जीवीए के हिस्से जैसेकि संयुक्त राज्य अमेरिका (79 प्रतिशत), चीन (56 प्रतिशत), जापान (71 प्रतिशत), जर्मनी (72 प्रतिशत), ब्रिटेन (81 प्रतिशत), ब्राजील (69 प्रतिशत), मैक्सिको (61प्रतिशत) के बराबर है जिसका तात्पर्य है कि हाल के दशकों में सेवा क्षेत्र में हुआ विस्तार समानुपाती रोजगार, विशेषकर औपचारिक क्षेत्र में सृजित करने में असमर्थ रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि आगामी वर्षों में सेवा क्षेत्र में अन्य देशों की भांति रोजगार

**सारणी 5: सर्वश्रेष्ठ 15 देशों में सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन**

| देश | जीडीपी में स्थान | जीडीपी (ट्रिलियन) | सेवा यूएस डॉलर | सेवा क्षेत्र में जीवीए (ट्रिलियन यूएस | | | सेवा क्षेत्र का हिस्सा | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | जीवीए | | रोजगार | | निर्यात | |
| | 2017 | 2017 | 2017 | 2016 | 2017 | CAGR (2007-17) | 2007 | 2017 | 2007 | 2017 | 2007 | 2017 |
| विश्व | | 80.5 | 51.7 | 2.4 | 2.9 | 2.3 | 67 | 68 | 44 | 51 | 20 | 23 |
| सं.रा.अ. | 1 | 19.5 | 15.7 | 2.0 | 2.2 | 1.6 | 77 | 81 | 78 | 79 | 29 | 33 |
| चीन | 2 | 12.2 | 6.1 | 7.7 | 8.3 | 8.7 | 42 | 50 | 39 | 56 | 9 | 9 |
| जापान | 3 | 4.9 | 3.4 | 0.4 | 0.9 | 0.3 | 69 | 71 | 68 | 71 | 14 | 21 |
| जर्मनी | 4 | 3.7 | 2.3 | 1.3 | 2.1 | 1.0 | 69 | 68 | 68 | 72 | 14 | 17 |
| ब्रिटेन | 5 | 2.6 | 1.9 | 1.9 | 1.7 | 1.4 | 78 | 79 | 76 | 81 | 42 | 44 |
| फ्रांस | 6 | 2.6 | 1.8 | 1.6 | 2.1 | 1.2 | 77 | 79 | 73 | 77 | 26 | 32 |
| भारत | 7 | 2.6 | 1.3 | 7.5 | 7.9 | 7.9 | 48 | 54 | 26 | 34 | 37 | 38 |
| ब्राजिल | 8 | 2.1 | 1.3 | -2.6 | -1.4 | 1.5 | 68 | 72 | 60 | 69 | 12 | 13 |
| ईटली | 9 | 1.9 | 1.3 | 1.0 | 1.1 | -0.1 | 71 | 74 | 66 | 70 | 19 | 18 |
| कनाडा | 10 | 1.6 | 1.1 | 2.2 | 2.9 | 2.1 | 67 | 71 | 76 | 78 | 14 | 17 |
| रूस | 11 | 1.6 | 0.9 | -0.6 | 2.2 | 1.6 | 59 | 62 | 62 | 66 | 11 | 14 |
| दक्षिण कोरिया | 12 | 1.5 | 0.8 | 2.5 | 2.2 | 2.9 | 60 | 58 | 67 | 70 | 16 | 13 |
| आस्ट्रेलिया | 13 | 1.4 | 1.0 | 2.9 | 3.1 | 2.7 | 70 | 73 | 75 | 78 | 23 | 22 |
| स्पेन | 14 | 1.3 | 0.9 | 2.2 | 2.5 | 1.0 | 68 | 73 | 66 | 76 | 32 | 30 |
| मैक्सिको | 15 | 1.2 | 0.7 | 3.9 | 3.1 | 2.8 | 62 | 64 | 61 | 61 | 6 | 6 |

स्रोत: सकल घरेलू उत्पाद और जीवीए` लिए संयुक्त राज्य राष्ट्रीय लेखा आंकड़े, रोजगार के लिए विश्व बैंक रोजगार डाटबेस, और निर्यात के लिए विश्व व्यापार संगठन का डाटाबेस)।

सृजन की काफी संभावनाएं हैं।

## प्रमुख सेवाएं: क्षेत्र-वार प्रदर्शन और कुछ हाल की नीतियां

9.11 हालांकि सेवा क्षेत्र के भीतर उप-क्षेत्रों में 2018-19 में मंदी आई है, कुछ अन्य में तेजी आई है (सारणी 6)। आईटी-बीपीएम तथा कार्गो यातायात लगातार सुनिश्चित संख्या प्राप्त करने में लगा है परंतु वृद्धि दर घटी है। मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात में कमी होने के कारण, विमानन क्षेत्र में वृद्धि कम हुई है। पर्यटन क्षेत्र में भी 2018 में कुछ कमी महसूस की गई है। फिर भी, दूरसंचार के क्षेत्र में वायरलेस इंटरनेट ग्राहकों द्वारा द्रुत गति पर वृद्धि जारी है।

9.12 इस खंड में जीडीपी/जीवीए, निर्यात तथा भावी संभावनाओं के बारे में उनके महत्व पर आधारित भारत की कुछ महत्वपूर्ण सेवाओं को शामिल किया गया है। पुनरावृत्ति से बचने के लिए अन्य अध्यायों में शामिल की गई कुछ महत्वपूर्ण सेवाएं छोड़ दी गई है।

**सारणी 6: भारत की सेवाओं में मुख्य उप-क्षेत्रों का निष्पादन**

| उप-क्षेत्र आईटी-बी | सूचक आईटी-बीपीएम | इकाई बिलियन अमेरिकी | वर्ष | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2014.15 | 2015.16 | 2016.17 | 2017.18 | 2018.19 |
| आईटी-बी पीएम* | आईटी-बीपीएम | बिलियन अमेरिकी डॉलर | 132.4 | 143.0 | 154.0 | 167.0 | 181.0(ई) |
| | निर्यात | बिलियन अमेरिकी डॉलर | 98.5 | 108.0 | 117.0 | 126.0 | 136.0(ई) |
| | घरेलू | बिलियन अमेरिकी डॉलर | 34.0 | 34.8 | 38.0 | 41.0 | 45.0(ई) |
| विमानन** | एयरलाइन यात्री: | मिलियन | 115.8 | 135.0 | 158.4 | 183.9 | 204.2(पी) |
| | घरेलू | मिलियन | 70.1 | 85.2 | 103.7 | 123.3 | 140.3 |
| | अंतर्राष्ट्रीय | मिलियन | 45.7 | 49.8 | 54.7 | 60.6 | 63.9 |
| दूरसंचार | वायरलेस फोन ग्राहकं | मिलियन | 969.5 | 1034.1 | 1170.5 | 1188.9 | 1161.7 |
| | वायरलेस इंटरनेट ग्राहकं | मिलियन | 283.3 | 322.2 | 400.6 | 472.7 | 615.05 |
| पर्यटन | विदेशी पर्यटकों का आगमन | मिलियन | 7.8 | 8.2 | 9.1 | 10.4 | 10.6 (पी) |
| | पर्यटन से अर्जित विदेशी विनिमय | बिलियन अमेरिकी डॉलर | 20.4 | 21.4 | 23.8 | 28.7 | 27.7 (पी) |
| पोत परिवहन | पोतपरिवहन का सकलं | मिलियन | 10.5 | 10.9 | 11.6 | 12.6 | 12.7^ |
| | पोतों की संख्यां | संख्या | 1210.0 | 1273.0 | 1316.0 | 1384.0 | 1400^ |
| पत्तन | कार्गो यातायात | मिलियन टन | 1052.2 | 1071.8 | 1133.7 | 1208.6 | 1276.8(पी) |
| | कार्गो क्षमता | मिलियन टन | 1560.5 | 1703.1 | 2147.6 | 2307.4 | 2405.9(पी) |

स्रोत: भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) संचार विभाग पर्यटन मंत्रालय, पोत परिवहन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, इलैक्ट्रानिक तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एनएसएससीओएम।

टिप्पणी: *हार्डवेयर सहित एवं ई-कॉमर्स को छोड़कर; **स्वदेशी यात्रियों जिन्हें अनुसूचित भारतीय कोरियर वाहन द्वारा और अर्न्तराष्ट्रीय यात्रियों को भारतीय क्षेत्र में एक स्थान से दूसरे स्थान पर अनुसूचित भारतीय और विदेशी कोरियर द्वारा ले जाया जाता है। आगामी वित्त वर्ष के मार्च के अनुसार ^दिसम्बर 2018 के अनुसार पी = (अनंतिम)

ई = अनुमानित वर्तमान गति

## पर्यटन

9.13 पर्यटन क्षेत्र अर्थव्यवस्था की वृद्धि का एक मुख्य तंत्र है, जो जीडीपी, विदेशी मुद्रा अर्जित करने तथा रोजगार के संबंध में महत्वपूर्ण योगदान देता है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के विश्व पर्यटन बैरोमीटर (जून, 2018 अंक) के अनुसार, 2017 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन आगमन (आईटीए) कुल 1.3 बिलियन पहुंच गया है, जो 2016 में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि दर से 6.7 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर के साथ पिछले वर्ष से 84 मिलियन अधिक है।

9.14 2017-18 में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) 14 प्रतिशत से बढ़कर 10.4 मिलियन तथा विदेशी मुद्रा भंडार अर्जन (एफईई) में 20.6 प्रतिशत से 28.7 विलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। तथापि, यह क्षेत्र, 2018-19 में मंदी का सामना कर रहा है। 2017-18 में 10.4 मिलियन की तुलना में, 2018-19 में विदेशी पर्यटन आगमन (एफटीए) 10.6 मिलियन रहा है। वृद्धि के संबंध में, एफटीए की वृद्धि दर, 2017-18 में 14.2 प्रतिशत से घटकर 2018-19 में 2.1 प्रतिशत प्रतिशत हो गई है। पर्यटन से प्राप्त होने वाली विदेशी मुद्रा आय (एफईई) 2017-18 में 28.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 2018-19 में घटकर 27.7 बिलियन रह गई है। वृद्धि के संबंध में एफईई 2017-18 में 20.6 प्रतिशत से घटकर 2018-19 में -3.3 प्रतिशत हो गया है।

**चित्र 3(क): भारत में विदेशी पर्यटन आगमन में वृद्धि आंकड़े मूल से लें।**

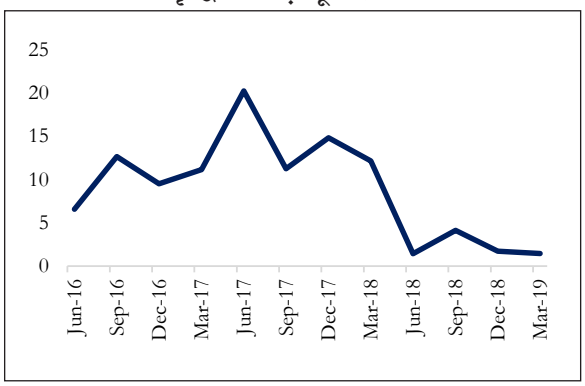


स्रोत: पर्यटन मंत्रालय

**चित्र 3(क): पर्यटन से विदेशी विनिमय आय में वृद्धि आंकड़े मूल से लें।**

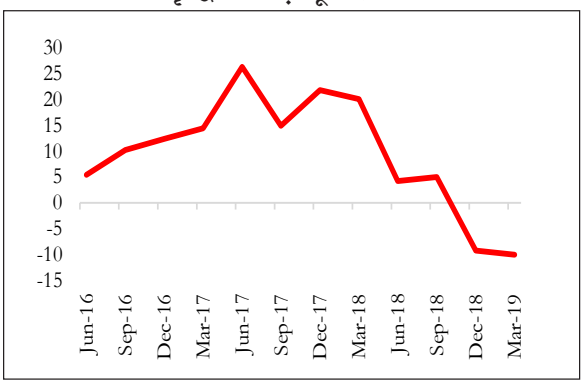


स्रोत: पर्यटन मंत्रालय

9.15 हाल के वर्षों में विदेशी पर्यटन में तेजी आई है। 2016 के 21.87 मिलियन से 2017 के दौरान 23. 94 मिलियन भारत से भारतीय नागरिकों के प्रस्थान से 9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जो कि, भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन की तुलना में दोगुना से भी अधिक है।

9.16 घरेलू पर्यटन दौरों में वृद्धि दर 2016 में 12.7 प्रतिशत से घटकर 2017 में 2.4 प्रतिशत रह गई है। वर्ष 2016 में 1,615.4 मिलियन की तुलना में 2017 में घरेलू पर्यटकों की कुल संख्या 1,652.5 मिलियन थी। शीर्ष 5 गंतव्य राज्य थे, जो तमिलनाडु (345.1 मिलियन), उत्तर प्रदेश (234 मिलियन), कर्नाटक (180 मिलियन), आंध्र प्रदेश (165.4 मिलियन) और महाराष्ट्र (119.2 मिलियन) 2017 में घरेलू पर्यटन दौरे की कुल संख्या के 63.2 प्रतिशत बैठता है। केन्द्रीकृत रूप से संरक्षित प्रवेश टिकट वाले स्मारकों में से, घरेलू पर्यटक के लिए 2017-18 में सबसे ज्यादा बार देखे गए स्मारकों में ताज महल, आगरा (5.66 मिलियन) सूर्य मंदिर, कोणार्क (3.22 मिलियन) और लाल किला, दिल्ली (3.04 मिलियन) रहे।

9.17 पर्यटन मंत्रालय ने चुने गये महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों में तीर्थ यात्रा अवसंरचना के उद्देश्य से जनवरी, 2015 में 'नेशनल मिशन ऑन पिलग्रीमेज रीजुवेनेशन एंड स्प्रीचुअल, हेरिटेज ऑगमेंटेंशन ड्राइव (प्रशाद) आरंभ किया। वर्तमान में, इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए चुने गए स्थलों की कुल संख्या 25

राज्यों में 41 है। जनवरी 2015 से आज की तारीख तक उक्त योजनाओं में 17 राज्यों में 28 परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं।

9.18 स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय ने विकास के लिए 15 सर्किट चुने हैं अर्थात्: हिमालयन सर्किट, पूर्वोत्तर सर्किट, कृष्णा सर्किट, बौद्ध सर्किट, तटीय सर्किट, मरूस्थल सर्किट, जनजाति सर्किट, इको सर्किट, वन्य जीव सर्किट, ग्रामीण क्षेत्र सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, रामायण सर्किट, धरोहर सर्किट, तीर्थांकर सर्किट और सूफी सर्किट । ये सर्किट देश के धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, जनजातीय स्थलों को कवर करते हैं। इस योजना के अंतर्गत, मंत्रालय समृद्ध पर्यटन अनुभव और रोजगार अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से एक समेकित तरीके

**बॉक्स 2: भारत में स्वास्थ्य और चिकित्सा पर्यटन**

सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में सरकारी निजी भागीदारी पहलों के साथ भारत में स्वास्थ्य और चिकित्सा पर्यटन के प्रोन्नयन के लिए विभिन्न नीतिगत पहलें तथा उपाय किए हैं। भारत एक प्रमुख चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। पर्यटन मंत्रालय ने 'मौसम' पहलू से पार पाने और भारत को एक '365 दिवस'पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने तथा विशिष्ट रुचियों वाले पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए एक आला उत्पाद के रूप में आयुर्वेद सहित चिकित्सा तथा कल्याण पर्यटन को मान्यता दी है।

**भारतीय स्वास्थ्य देखभाल उद्योग:** 2017 में भारत में 'चिकित्सा पर्यटन का बाजार आकार 195 बिलियन रुपए (03 बिलियन अमेरिकी डॉलर) अनुमानित है। वर्ष 2020 तक चिकित्सा पर्यटन के मूल्य के 9 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। वर्तमान में, भारत के पास वैश्विक चिकित्सा पर्यटन बाजार का लगभग 18 प्रतिशत है। एक अनुमान में, 2020 तक यह 20 प्रतिशत वैश्विक बाजार हिस्सेदारी के साथ 9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लायक चिकित्सा पर्यटन स्थल बन सकता है। (स्रोत: सेवा निर्यात उन्नयन परिषद, वाणिज्य मंत्रालय) भारत की चिकित्सा पर्यटन की हिस्सेदारी, 2017 में कुल एफटीए में से 4.9% है। वर्ष 2014-17 के दौरान, चिकित्सा वीजा पर भारत में आगमन (सारणी 1) नीचे दिया गया है।

**सारणी 1: चिकित्सा वीजा पर भारत में आगमन**

| 2014 | 2015 | 2016 | 2017 |
|---|---|---|---|
| 1,39,447 | 2,33,918 | 4,27,014 | 4,95,056 |

स्रोत: पर्यटन मंत्रालय

सरकार प्रचार के लिए और कल्याण तथा चिकित्सा पर्यटन प्रोन्नयन कार्यक्रमों के लिए बाजार विकास सहायता के रुप में वित्तीय सहायता का प्रस्ताव करती है। चिकित्सा पर्यटन नियमित रूप से, भारत तथा विदेश में प्रिंट, इलैक्ट्रानिक, ऑन लाइन तथा बाहरी मीडिया में अतुल्य भारत अभियान के हिस्से के रूप में तथा साथ-साथ विभिन्न विदेशी पर्यटन व्यापार प्रदर्शनियों के उन्नयन पर प्रकाश डालता है। 'चिकित्सा वीजा' आरंभ हो गया है, चिकित्सा उपचार हेतु भारत में आने वाले विदेशी यात्रियों को विशिष्ट प्रयोजन के लिए दिया जा सकता है। 166 देशों के लिए 'ई-चिकित्सा वीजा' भी आरंभ हो गया है।

में उच्च पर्यटक मूल्य और स्थिरता के सिद्धांतों पर इन विषयक सर्किटों को विकसित कर रहा है।

## आतिथ्य सेवाएं

9.19 पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दिसम्बर, 2014 की स्थिति के अनुसार 1116 की तुलना में, दिसम्बर, 2018 की स्थिति के अनुसार अनुमोदित होटलों की संख्या में 75.71 प्रतिशत की वृद्धि होकर 1961 पर पहुंच गई है। उसी तरह, दिसम्बर, 2014 की स्थिति के अनुसार 71244 संख्या की तुलना में दिसम्बर, 2018 की स्थिति के अनुसार भारत में अनुमोदित होटल के कमरों की संख्या 43.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 102490 पर पहुंच गई थीं (सारणी 7)। बेशक, यह होटल बाजार का केवल

**सारणी 7: 2014 से 2018 तक की अवधि के दौरान मुख्य श्रेणीयों के अनुमोदित होटल और होटल के कमरों की संख्या**

| क्रम सं॰ | होटल की श्रेणी | as on 31.12.2014 | | as on 31.12.2015 | | as on 31.12.2016 | | as on 31.12.2017 | | as on 31.12.2018 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | होटल की संख्या | कमरों की संख्या | होटल की संख्या | कमरों की संख्या | होटल की संख्या | कमरों की संख्या | होटल की संख्या | कमरों की संख्या | होटल की संख्या | कमरों की संख्या |
| 1 | वन स्टार | 41 | 1193 | 26 | 785 | 12 | 398 | 8 | 286 | 9 | 348 |
| 2 | टू स्टार | 80 | 1902 | 68 | 1922 | 53 | 1190 | 43 | 1028 | 37 | 990 |
| 3 | थ्री स्टार | 554 | 22724 | 531 | 22793 | 428 | 17604 | 481 | 17428 | 535 | 18889 |
| 4 | फोर स्टार | 134 | 7969 | 197 | 9972 | 210 | 9892 | 256 | 13184 | 322 | 16451 |
| 5 | फाइव स्टार डी लक्स | 92 | 11744 | 125 | 15230 | 136 | 16214 | 162 | 19431 | 181 | 22673 |
| 6 | फाइव स्टार डी लक्स | 113 | 23907 | 127 | 27775 | 146 | 31037 | 152 | 34376 | 170 | 37955 |
| 7 | अपार्टमेंटस होटल | 3 | 249 | - | - | - | - | 1 | 126 | 3 | 252 |
| 8 | गैस्ट हाऊस | 5 | 77 | 7 | 110 | 118 | 690 | 6 | 88 | 7 | 106 |
| 9 | हेरिटेज होटल | 42 | 1237 | 30 | 1065 | 40 | 1258 | 46 | 1403 | 58 | 1843 |
| 10 | बीएंडबी स्था॰ | 52 | 242 | 283 | 1359 | 316 | 1596 | 664 | 3268 | 639 | 2983 |
| | योग | 1116 | 71244 | 1394 | 81011 | 1459 | 79879 | 1819 | 90618 | 1961 | 102490 |

स्रोत: पर्यटन मंत्रालय

एक सबसेट है, ऑनलाइन आधारित सेवा प्रदाताओं के आने से तेजी के साथ बढ़ा है (इसके लिए आंकड़े एकत्र किए जा रहे हैं और यह भावी आर्थिक सर्वेक्षण का विषय होगा)।

9.20 पर्यटन मंत्रालय क्षेत्र में संबंधित कुछ मुद्दों को संक्षेप में निम्नवत बताया गया है:

- देश में पर्यटन के उन्नयन के मुद्दों के समाधान के लिए विभिन्न समरूचि मंत्रालयों और हितधारकों के समन्वय तंत्र को सशक्त बनाए जाने की आवश्यकता है।
- राज्य/संघ राज्य की सरकारों को रोजगार और गरीबी उन्मूलन के एक प्रमुख चालक के रूप में पर्यटन के बारे में संवेदनशील बनाए जाने की आवश्यकता है।
- पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए बजट आबंटन बढ़ाया जाए।
- होटलों के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाए और योजना के तहत सभी नए शहरों में होटल हेतु भूमि आरक्षित रखी जाए।
- अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु कौशल विकास प्रयासों को बढ़ाना।
- आतिथ्य उद्योगों पर कर की व्यवस्था वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्द्धा बनाना।

## आई टी-बीपीएम सेवाएं

9.21 एनएएसएससीओएम आंकड़ें (सारणी 8) के अनुसार, भारतीय आईटी-बीपीएम उद्योग, 2016-17 में 154 बिलियन अमरीकी डॉलर से 2017-18 में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 167 बिलियन अमरीकी डॉलर (ई-कॉमर्स को छोड़कर परन्तु हार्डवेयर सहित) पर पहुंच गया है। इसके 2018-19 में 181 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की आशा है। आईटी-बीपीएम निर्यात 2017-18 में 7.7 प्रतिशत तक बढ़कर 126 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया और 2018-19 में इसका 136 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक जाना अनुमानित है। ई-कॉमर्स

बाजार के 12 प्रतिशत की वृद्धि दर पर वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए 43 बिलियन अमरीकी डॉलर रहने की संभावना है। आईटी सेवाएं, लगभग 20 प्रतिशत के साथ बीपीएम द्वारा अनुसरित लगभग 52 प्रतिशत की हिस्सेदारी सहित सबसे बड़ा हिस्सा है। सॉफ्टवेयर उत्पाद तथा इंजीनियरिंग सेवाओं के साथ लगभग 19 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जबकि हार्डवेयर की 10 प्रतिशत है (चित्र 4)।

9.22 भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं (आईटी/आईटीईएस) उद्योग ने देश को वैश्विक निवेशकों में एक बेहतर निवेश के लायक बनाने और भारत के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका, का यूरोप तथा विश्व के अन्य भागों में बड़े रोजगार अवसर तैयार करने में बहुत अधिक योगदान

**चित्र 4: भारतीय आईटी बीपीएम उद्योग की बाजार हिस्सेदारी (2017.18)**

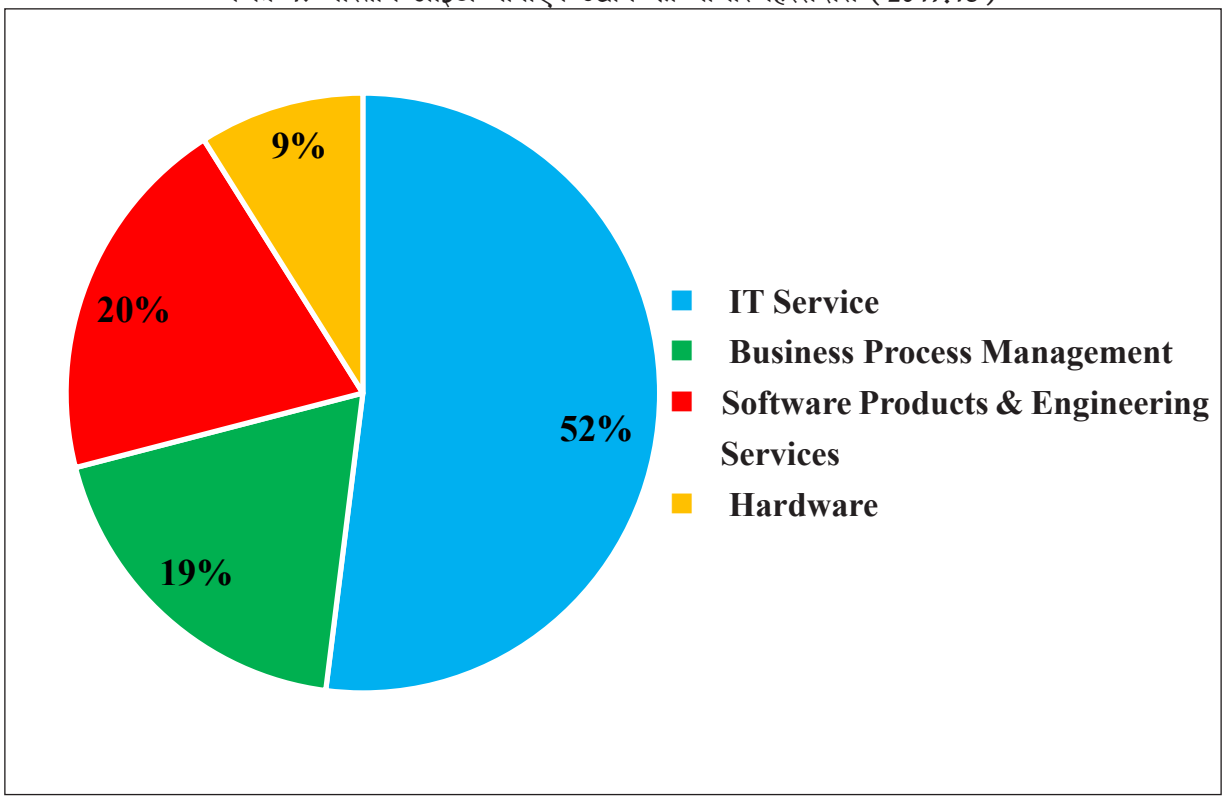


स्रोत: एनएएसएससीओएम 2018

**सारणी 8: भारत की आईटी-बीपीएम सेवाओं का कार्य-निष्पादन: कुछ सूचक**
**(अमेरिकी डॉलर में)**

| सूचक | 2010-11 | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आईटी सेवाएं | 83.5 | 100.72 | 109.0 | 119.3 | 132.4 | 143.0 | 154.0 | 167.0 | 181# |
| व्यापार प्रक्रिया प्रबंधन | 59.4 | 69.1 | 77.0 | 87.7 | 98.5 | 108.0 | 117.0 | 126.0 | 136# |
| सॉफ्टवेयर त्पाद तथा इंजीनियरिंग सेवाएं | 29.02 | 31.7 | 32.0 | 31.6 | 34.0 | 34.8 | 38.0 | 41.0 | 45# |

स्रोत: इलैक्ट्रोनिक तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एनएएसएस सीओएम नीतिगत समीक्षा (वार्षिक)।
टिप्पणी: (*): हार्डवेयर सहित तथा ई-कॉमर्स को छोड़कर।
(#): अनुमानित वर्तमान गति

दिया है। कुल आईटी-आईटीईएस निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत यूएसए, यूके तथा ईयू को किया जाता है। तथापि, इन पारंपरिक भौगोलिक परिस्थितियों में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एपीएसी, लेटिन अमेरिका और मध्यपूर्ण एशिया से मांग बढ़ रही है और यूरोप महाद्वीप, जापान, चीन और अफ्रीका में विस्तार करने के नए अवसर उभर रहे हैं। मौजूदा बाजार में आगे और सशक्त बनाने तथा एक साथ विविधता वाले तथा यूरोप (यूके के अलावा, जो एक परिपक्व बाजार है), अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, इजरायल, आस्ट्रेलिया, चीन तथा जापान में नए तथा उभर रहे बाजारों में बाजार विकास एवं औद्योगिक भण्डार पहलों के माध्यम से अपनी मौजूदगी को बढ़ाना है।

9.23 भारत की डिजीटल अर्थव्यवस्था में ई-सरकारी सेवाओं, सामान्य सेवा केन्द्रों, बीपीओ उन्नयन योजनाओं, डिजीटल भुगतानों, इलैक्ट्रोनिक विनिर्माण, डिजीटल साक्षरता अभियान, ई-कॉमर्स, जीएसटी नेटवर्क, मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप्स इंडिया, ई-स्वास्थ्य, स्मार्ट सिटीज तथा ई-कृषि बाजार स्थान/डिजीटल मंडियों को कवर करते हुए, डिजीटल इंडिया जैसी विभिन्न सरकारी पहलों के माध्यम से अत्यधिक उछाल प्राप्त हुआ है। नई तथा उभर रही प्रौद्योगिकी से ये कुछ पहलें देश की डिजीटल अर्थव्यवस्था को बढ़ा रही है तथा पारंपरिक के साथ-साथ यातायात, स्वास्थ्य, बिजली, कृषि तथा पर्यटन जैसे अर्थव्यवस्था के नए क्षेत्रों में राजस्व तथा रोजगार निर्माण दोनों के लिए आईटी एवं इलैक्ट्रोनिक में नए अवसरों का निर्माण करती है।

9.24 इलैक्ट्रोनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा फरवरी, 2019 को इलैक्ट्रोनिक्स संबंधी राष्ट्रीय नीति 2019 (एनपीई 2019) अधिसूचित की है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्द्धी ईएसडीएम क्षेत्र के लिए ईको-प्रणाली तैयार करना; इलैक्ट्रोनिक उपकरणों की विनिर्माण ईकोप्रणाली का उन्नयन; बड़ी परियोजनाओं हेतु पहलों का विशेष पैकेज; उद्योग आधारित अनुसंधान एवं विकास तथा नवीनता एवं 5जी, आईओटी/सेंसर्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, वास्तविक वृद्धि, (एआर) तथा आभासी वास्तविकता (वीआर), ड्रोन, रोबोटिक्स, एडिटिव विनिर्माण, गेमिंग तथा मनोरंजन, फोटोनिक्स, नेनो आधारित यंत्र, चिकित्सा इलैक्ट्रोनिक्स, रक्षा तथा नीतिगत इलैक्ट्रोनिक्स, साईबर सुरक्षा, पावर इलैक्ट्रोनिक्स तथा आटोमेशन जैसे नए उभर रही प्रौद्योगिकी सहित, ईएसडीएम क्षेत्र में पुनः कौशल विकास के साथ प्रोत्साहन देते हुए कौशल विकास हेतु सहायता करना; ग्रीन प्रोसेसेज एवं संपोषणीय ई-कचरा प्रबंधन के लिए उद्योग हेतु अनुसंधान, नवीनता का उन्नयन करना एवं सहायता करना, साईबर सुरक्षा पर जोर देना और भारत की राष्ट्रीय साईबर सुरक्षा प्रोफाइल आदि को बेहतर बनाने हेतु भरोसेमंद इलैक्ट्रोनिक्स मूल्य श्रृंखला की पहलों का उन्नयन करना शामिल है।

## मीडिया और मनोरंजन सेवाएं

9.25 मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में मुख्य रूप से टेलिविजन, प्रिंट, रेडियो, फिल्में, संगीत, डिजिटल विज्ञापन, ओवर द टॉप (इंटरनेट पर डाली गई ओटीटी-फिल्म तथा टेलीविजन सामग्री), विजुअल इफेक्ट तथा गोमिंग शामिल है। प्रौद्योगिकी ने इस क्षेत्र की रूपरेखा में बहुत तेजी से बदलाव किए हैं; विशेष रूप से सामग्री और वाहक में/फिक्की-ई वाई मीडिया और मनोरंजन रिपोर्ट, 2019 के अनुसार, इस उद्योग का आकार 2013 में 91,810 करोड़ रुपए से 2018 में 1,67,500 करोड़ रु. तक बढ़ गया है, पिछले 5 वर्षों में 82.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उद्योग के विभिन्न घटकों के गठन का आकार चित्र 5 में देखा जा सकता है। ऑडियो-विजुअल सेवाओं को सरकार द्वारा विकास पर केन्द्रित चुनी गई (2018) 12 सर्वोत्तम सेवा क्षेत्रों में से एक है ताकि इसकी पूर्ण क्षमता उपयोग किया जा सके।

## गैर सरकारी टेलिविजन क्षेत्रं

9.26 चीन के बाद, भारत विश्व में भुगतान-टीवी का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत प्रसारण श्रोता अनुसंधान परिषद (बीएआरसी)/ईवाई अनुमान के अनुसार, भारत में अनुमानित 29.8 करोड़ परिवारों

चित्र 5: भारत में मीडिया और मनोरंजन उद्योग का संघटन 2018 (राजस्व का प्रतिशत)

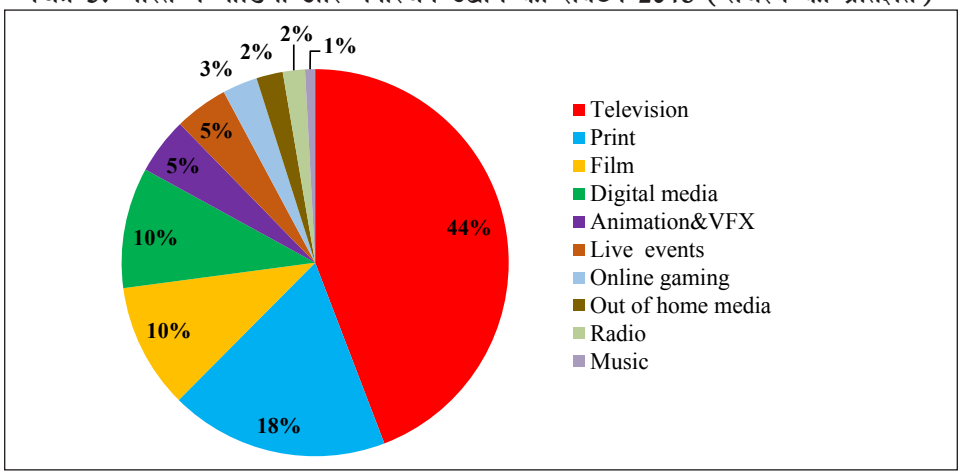


स्रोत: फिक्की-ईवाई मीडिया और मनोरंजन रिपोर्ट 2019

में से, 2018 में 19.7 करोड़ टीवी वाले परिवारों के साथ देश में टीवी की पैंठ 66 प्रतिशत तक पहुंच गई है; जो पिछले प्रसारण भारत सर्वेक्षण 2016 से 7.7 प्रतिशत अधिक है (चित्र 6)। वर्ष 2018 से 19.7 करोड़ टीवी वाले परिवारों में से, 10.3 करोड़ परिवार केबल सेवाओं द्वारा, 5.6 करोड़ परिवार डाइरेक्ट टू होम (डीटीएच) सेवाओं द्वारा कवर किए गए थे और 3.6 करोड़ परिवार दूरदर्शन की स्थलीय प्रसारण सेवाओं पर निर्भर रहते थे।

9.27 फिक्की-ईवाई मीडिया तथा मनोरंजन रिपोर्ट (2019) के अनुसार, टीवी क्षेत्र में राजस्व के 41 प्रतिशत से युक्त विज्ञापन के साथ 2018 में 74000 करोड़ रुपए की पहुंच सहित 12.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; जबकि शेष वितरण के संबंध में है। वर्तमान

चित्र 6: भारत में टीवी की पैंठ (2018)

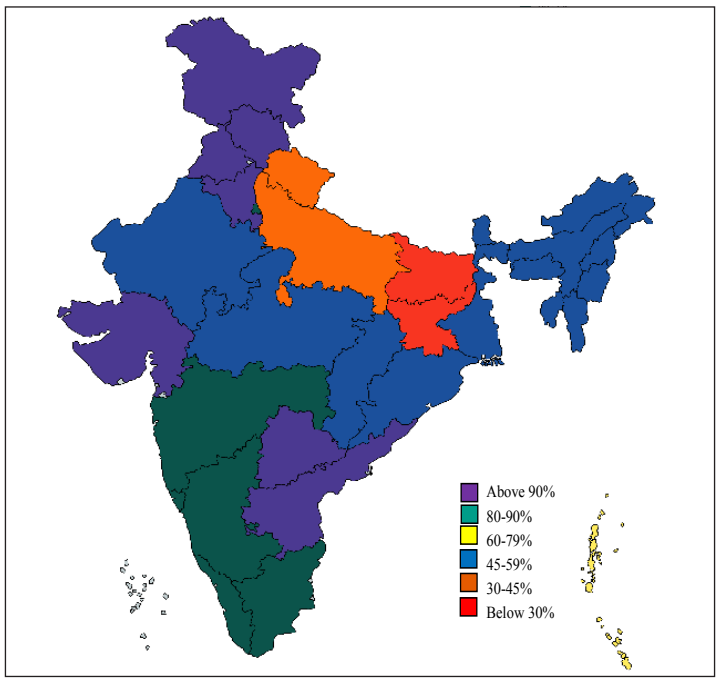


स्रोत: बीएआरसी, 2018

में, भारत 906 सेटेलाइट टीवी चैनलों, 1469 बहुप्रण ाली ऑपरेटरों (एमएसओ), 60,000 स्थानीय केबल ऑपरेटर (एलसीओ), 6 डीटीएच ऑपरेटर तथा कुछ आईबीटीवी सेवा प्रदाताओं से युक्त विश्व में एक बड़ा प्रसारण तथा वितरण क्षेत्र है। सभी गैर सरकारी सैटेलाइट चैनलों का 43 प्रतिशत खबरिया (न्यूज) चैनल हैं (अप्रैल, 2019)। टीवी क्षेत्र के लिए वृद्धि के चालकों में केबल सेवाओं का डिजीटाइजेशन, उच्च डेफिनिशन चैनलों में अधिक वृद्धि, बढ़ रही स्मार्ट फोनों की पैंठ से सहायता-प्राप्त ओटीटी प्लेटफार्म की वृद्धि और उच्च स्पीड डाटा अंगीकार किया जाना शामिल है।

9.28 वितरण क्षेत्र में, केबल टीवी अभी तक एमएओ तथा एलसीओ के माध्यम से देश में टीवी चैनलों के वितरण में हावी हैं। डीटीएच क्षेत्र तेजी से वितरण क्षेत्र में एक प्रमुख प्लेयर बन रहा है। दूरदर्शन की डीडी निशुल्क डिश के अलावा, डीटीएच सेवाएं छः अन्य गैर सरकारी प्लेयरों द्वारा प्रदान की जाती है।

## सार्वजनिक सेवा टीवी प्रसारण

9.29 प्रसार भारती, देश का सार्वजनिक सेवा प्रसारक है, जिसके दो घटक हैं, ऑल इंडिया रेडियो तथा दूरदर्शन। यह सार्वजनिक सूचनाप्रद, शिक्षाप्रद तथा मनोरंजन के लिए तथा देश में प्रसारण का एक संतुलित विकास करना सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थित तथा सार्वजनिक प्रसारण सेवाएं आयोजित करने के अधिदेश के साथ 1997 में विद्यमान हुआ।

9.30 दूरदर्शन के पास 1400 टीवी ट्रांसमीटर्स से अधिक की विश्व की सबसे बड़ी टेरीस्ट्रीयल प्रसारण सुविधा है और यह फ्री टू एयर डीटीएच सेवाएं भी प्रदान करता है। दूरदर्शन का टेरीस्ट्रीयस नेटवर्क देश के कोने-कोने में पहुंच चुका है। दूरदर्शन का कवरेज पूरे देश में, वर्तमान में, दूरदर्शन किसानों, खबर तथा समसामयिकी, कला तथा संस्कृति और खेलकूद आदि के लिए एक चैनल सहित 24 सेटेलाइट चैनल, देशभर में फैले दूरदर्शन के 67 स्टूडियो केन्द्र डीडी नेटवर्क चैनल के लिए खबर तथा वर्तमान मामले की विस्तृत कवरेज प्रदान करते हैं।

9.31 दूरदर्शन, इसका अपना डाइरेक्ट टू होम प्लेटफार्म अर्थात् डीडी/फ्री डिश भी प्रचालित करता है। डीडी फ्री डिश, डीडी के 24 सैटेलाईट चैनलों सहित 104 टेलिविज़न चैनलों का बुके है, जो 24 x 7 चौबीस घंटे तथा 11 क्षेत्रीय चैनल प्रसारित करता है, जो कुछ विनिर्दिष्ट घंटों के लिए प्रचालित होता है। उस बुके में एआईआर के 44 ओडियो चैनल भी होते हैं। ऑल इण्डिया रेडियो की गतिविधियों पर रेडियो क्षेत्र के सेक्शन के तहत विचार-विमर्श किया जाता है।

## प्रिंट मीडिया

9.32 प्रिंट, 0.7 प्रतिशत की वृद्धि (फिक्की तथा ई वाई रिपोर्ट, 2019) के साथ 2018 में ₹ 30,550 करोड़ रुपये राजस्व सहित भारतीय एम एंड ई उद्योग की दूसरी सबसे बड़ी हिस्सेदार है। प्रिंट उद्योग में मुख्यतः मीडिया उद्योग में इंटरनेट तथा टीवी चैनलों की संख्या के बढ़ने के कारण, संपूर्ण विश्वभर में कमी आ रही है। भारत भी इस घटना का अपवाद नहीं है। प्रिंट मीडिया में विज्ञापन की हिस्सेदारी कुल राजस्व आय का 71 प्रतिशत है, जबकि शेष अंशदान राजस्व से है। यद्यपि, राजस्व का 96 प्रतिशत समाचार पत्रों से तथापि शेष पत्रिकाओं के माध्यम से अर्जित किया जाता है।

9.33 भारत के समाचार पत्र पंजीयक (आरएनआई) के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में 2017-18 में 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 31 मार्च, 2018 की स्थिति तक देश में पंजीकृत प्रकाशनों की संख्या 1,18,239 है। तथापि, पिछले वर्ष की तुलना में 2017-18 में प्रकाशनों के परिचालन की वृद्धि 11.9 प्रतिशत तक संकुचित हो गई है। 2017-18 के दौरान देश में प्रकाशनों का कुल परिचालन 43 करोड़ था जिनमें से हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू के प्रकाशन क्रमशः 19.56 करोड़, 5.34 करोड़ और 2.52 करोड़ थे। दैनिक समाचार पत्रों के परिचालन के संबंध में 2017-18 में 11.9 प्रतिशत का संकुचन हुआ था और दैनिक समाचार पत्रों का परिचालन गिरकर 24. 26 करोड़ रह गया था। परिचालन के संदर्भ में हिंदी समाचार पत्र की संख्या सतत सबसे अधिक रही है जिसके बाद अंग्रेजी और उर्दू के समाचार पत्र आते हैं

(31 मार्च, 2018 के अनुसार)।

## फिल्म

9.34 एफआईसीसीआई-ईवाई मीडिया एवं मनोरंजन रिपोर्ट (2019) के अनुसार, 2018 में 1776 घरेलू फिल्मों को जारी करने के साथ भारत विश्व में फिल्मों का सबसे बड़ा निर्माता है। भारतीय फिल्म उद्योग 2018 में 12 प्रतिशत की दर से बढ़ा जिसका राजस्व रु. 17,450 करोड़ था। सबसे अधिक फिल्में कन्नड़ (243) जिसके बाद हिंदी (238) और तेलुगू (237) जारी हुई थीं।

9.35 विश्व में अधिकतम फिल्मों के निर्माण करने के बावजूद, चीन अथवा संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में भारत के पास स्क्रीनों की संख्या 25 प्रतिशत से भी कम है। भारत में 9601 स्क्रीन हैं, जिनमें से 47 प्रतिशत दक्षिण भारत के पांच राज्यों में हैं। चीन पिछले दो वर्षों के दौरान 16 प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर पर सिनेमा स्क्रीन जोड़ रहा है। भारत में प्रति मिलियन जनसंख्या पर स्क्रीनों की संख्या भी बहुत कम है जिसकी वजह मुख्य रूप से भारत में टीयर-प्प, टीयर-प्प्प और टीयर-प्ट बाजारों में सिनेमा की पहुंच का अभाव है। इससे पता चलता है कि भारतीय फिल्म सेग्मेंट में अपार संभावनाओं का दोहन नहीं किया गया है (चित्र 7, 8 और 9)।

9.36 विदेशी थियेटर प्रदर्शनों में सबसे अधिक फिल्म निर्यात खाड़ी क्षेत्र (50) जिसके बाद आस्ट्रेलिया (48) तथा अमरीका/कनाडा (46) को किया गया था। हालांकि, मूल्य के संदर्भ में भारतीय फिल्म सामग्री के लिए चीन सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय बाजार बना जहां 272.3 मिलियन अमरीकी डॉलर का अधिकतम संग्रहण हुआ। यद्यपि स्क्रीनों की संख्या (एकल और मल्टी स्क्रीन दोनों) में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है, तथापि स्क्रीनों की संख्या बड़े अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से अब भी कम है।

## डिजिटल मीडिया

9.37 डिजिटल मीडिया के विभिन्न सेग्मेंटों में

**चित्र 7: भारत में स्क्रीनों की संख्या**

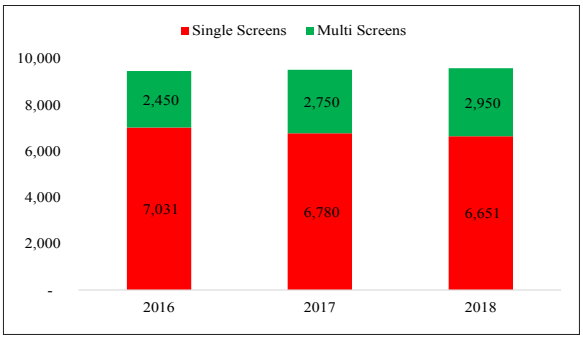


स्रोत: एफआईसीसीआई-ईवाई मीडिया एवं मनोरंजन रिपोर्ट (2019)।

**चित्र 8: भारत, चीन तथा अमरीका में स्क्रीनों की संख्या**

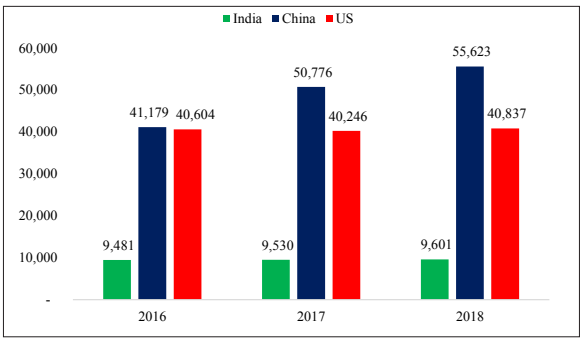


स्रोत: एफआईसीसीआई-ईवाई मीडिया एवं मनोरंजन रिपोर्ट (2019)।

**चित्र 9: प्रति मिलियन जनसंख्या पर स्क्रीन, 2018**

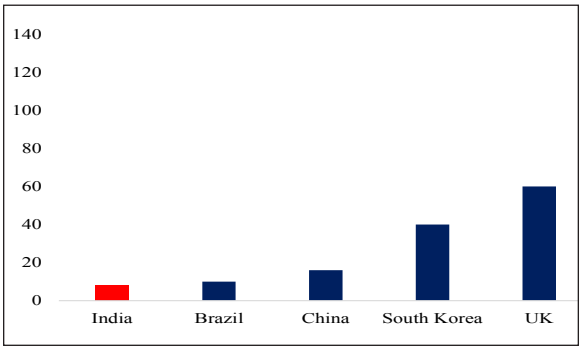


स्रोत: एफआईसीसीआई-ईवाई मीडिया एवं मनोरंजन रिपोर्ट (2019)।

ऑनलाइन वीडियो दृश्यता, ऑडियो, ओटीटी प्लेटफार्म के माध्यम से समाचार तथा सोशल मीडिया आदि शामिल हैं। फिक्की-एफआईसीसीआई-ईवाई मीडिया एवं मनोरंजन रिपोर्ट (2019) के अनुसार, 2018 में मोबाइल अभिदाताओं की कुल संख्या 1.17 बिलियन

है। स्मार्टफोन प्रयोक्ताओं की संख्या 2018 में 39 प्रतिशत बढ़कर 340 मिलियन हो गई है। वर्ष 2017 और 2018 के बीच औसत डाटा खपत 4 जीबी से दोगुनी बढ़कर 8 जीबी प्रतिमाह हो गई है। इसके अतिरिक्त, डिजीटल मीडिया बाजार 2018 में 42 प्रतिशत बढ़कर ₹ 169 बिलियन का हो गया है। दिसंबर, 2017 में 446 मिलियन इंटरनेट अभिदाताओं की संख्या 28 प्रतिशत बढ़कर नवंबर, 2018 में 570 मिलियन हो गई है जिसके अंतर्गत ग्रामीण इंटरनेट अभिदाताओं की संख्या में 49 प्रतिशत वृद्धि हुई है। यह देखते हुए कि विश्व में 4 बिलियन इंटरनेट उपभोक्ता हैं, इस हिसाब से प्रत्येक 8 में से एक भारतीय उपभोक्ता है (सारणी 9)।

**सारणी 9: भारत में इंटरनेट की पहुंच, 2018**

| | दिसंबर17 (मिलियन) | नवंबर18 (मिलियन) | वृद्धि (प्रतिशत) |
|---|---|---|---|
| कुल इंटरनेट अभिदाता | 446 | 570 | 28 |
| शहरी इंटरनेट अभिदाता | 314 | 373 | 19 |
| ग्रामीण इंटरनेट अभिदाता | 132 | 197 | 49 |

स्रोत: एफआईसीसीआई-ईवाई मीडिया एवं मनोरंजन रिपोर्ट (2019)।

**चित्र 10: मोबाइल कंटेट की श्रेणीवार खपत (जनवरी-सितंबर, 2018)**

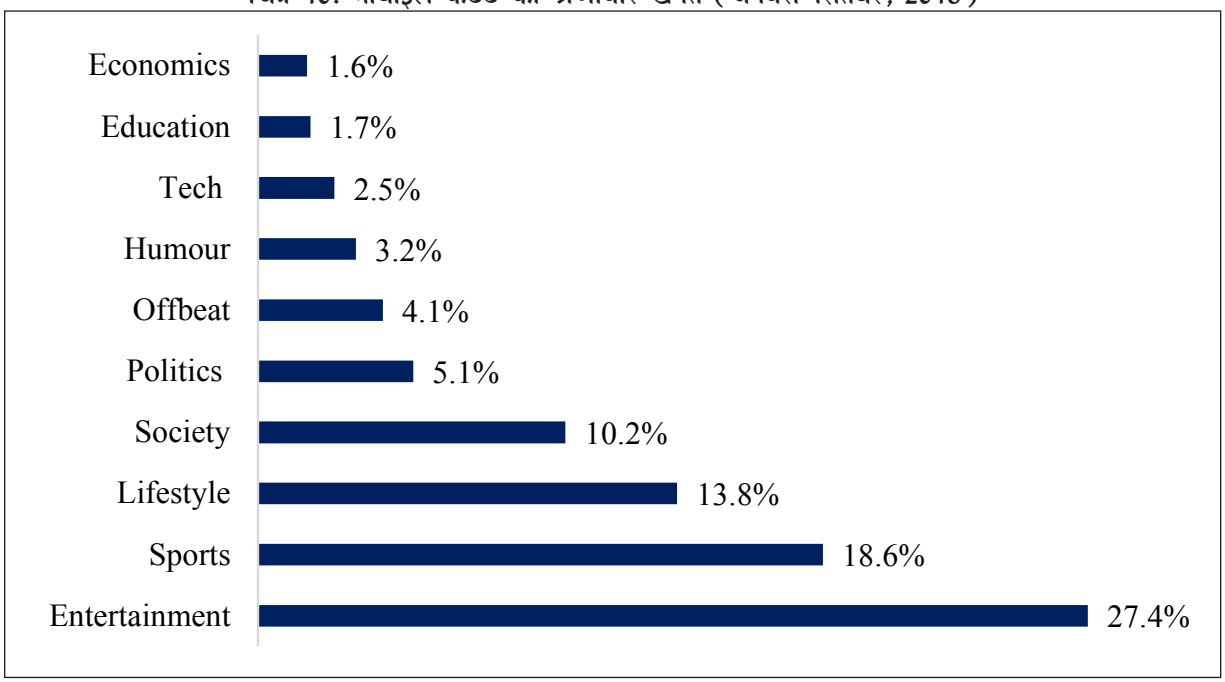


स्रोत: एफआईसीसीआई-ईवाई मीडिया एवं मनोरंजन रिपोर्ट (2019)।

9.38 भारत में यूसी न्यूज फीड प्लेटफार्म पर सामग्री खपत की कुल दर के अनुसार, भारतीय प्रयोक्ताओं के लिए मोबाइल सामग्री खपत में मनोरंजन सबसे बड़ी श्रेणी थी, जिसकी खपत 27.4 प्रतिशत थी और इसके बाद खेलकूद (18.6 प्रतिशत) तथा जीवन शैली (13.8 प्रतिशत) का नम्बर आता है (चित्र 10)।

9.39 सोशल मीडिया की पहुंच 2015 में 11 प्रतिशत की तुलना में 2018 में बढ़कर 17 प्रतिशत हो गई। यूट्यूब, फेसबुक, वाट्सएप और इंस्टाग्राम सबसे अधिक सक्रिय सोशल मीडिया प्लेटफार्म थे (चित्र 11)।

**चित्र 11: भारत में सोशल मीडिया प्रयोक्ता और उसकी पहुंच**

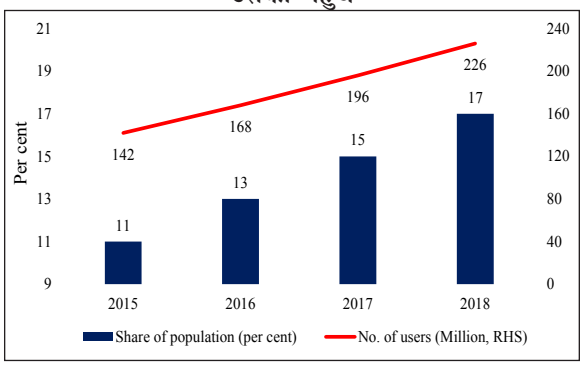


स्रोत: एफआईसीसीआई-ईवाई मीडिया एवं मनोरंजन रिपोर्ट (2019)।

## रेडियो सेक्टर

9.40 ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) का प्रसारण 479 जगहों पर कार्यात्मक है जो लगभग 92 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र और देश की जनसंख्या के 99.2 प्रतिशत लोगों को कवर करता है। वर्तमान में, ऑल इंडिया रेडियो की एफएम सेवा देशभर में 458 जगहों पर कार्यशील 495 ट्रांसमीटरों से उपलब्ध कराई जा रही है जिससे यह सेवा लगभग देश के 39 प्रतिशत क्षेत्र और देश की कुल जनसंख्या के 52 प्रतिशत तक पहुंचती है। एआईआर की आगामी स्कीमों के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से एआईआर एफएम का आगे और विस्तार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म पर (डीडी फ्री डिश) एआईआर के 37 रेडियो चैनल उपलब्ध हैं जिन्हें देशभर में सेट टॉप बॉक्स के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

9.41 वर्ष 1999 से निजी एफएम रेडियो की शुरूआत होने से न सिर्फ रेडियो सुनने वालों को अच्छी गुणवत्ता की सेवा प्रदान की गई बल्कि स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहित करने में मदद मिली और विभिन्न नगरों में बहुत बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोज़गार भी सृजित हुआ। मई 2019 की स्थिति तक, 27 राज्यों तथा 3 संघ राज्य क्षेत्रों में 380 निजी एफएम चैनल 107 नगरों में प्रचालनरत हैं। सरकार ने निजी एफएम रेडियो प्रसारण (चरण-III) के विस्तार पर नीतिगत दिशानिर्देशों की घोषणा की है जिनके अंतर्गत सूचना और प्रसारण मंत्रालय अनुवर्ती बैचों में 236 शहरों में 683 चैनलों की नीलामी करेगा। समुदाय रेडियो स्टेशनों की स्थापना विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों तथा सिविल सोसायटी संगठनों की सहभागिता से की जाती है। सम्प्रति, 250 समुदाय रेडियो स्टेशनों को प्रचालनरत किया गया है। प्रस्ताव है कि तटीय जिलों तथा इसकी आकांक्षा रखने वाले जिलों को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक जिले में कम से कम एक समुदाय रेडियो स्टेशन स्थापित किया जाए।

## उभरता मीडिया

9.42 पारम्परिक मीडिया की तुलना में, ओटीटी, एनिमेशन और वीएफएक्स, घटनाओं का सीधा प्रसारण, ऑनलाइन गेमिंग आदि सहित डिजीटल मीडिया वाली यह नॉन-लीनियर मीडिया है जो हालिया वर्षों में मीडिया तथा मनोरंजन सेक्टर में दो अंकों में वृद्धि दर्ज कर रही है। ब्रॉडबैंड संपर्क का विस्तार, डाटा कीमतों में गिरावट, क्षेत्रीय भाषा सामग्री की मांग ने डिजीटल मीडिया की वृद्धि को शुरू किया है। एनिमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग और कॉमिक्स सेक्टर भारत में भी एक फलता-फूलता कारोबार है जिसके अंतर्गत निर्माण-पश्चात् संबंधी कार्यों के लिए यहां तक कि हॉलीवुड की फिल्मों को भी भारत में आउटसोर्स किया जा रहा है। इन कार्यों में वीडियो संपादन, दृश्यात्मक प्रभाव, एनिमेशन, 2डी-3डी रूपांतरण इत्यादि शामिल है। भारत के लिए यह उगते सूरज सेक्टरों में से एक है और इस सेक्टर के द्रुत गति से होते विस्तार को देखते हुए कुशल व्यावसायिकों की भी विपुल आवश्यकता है।

## नीतिगत पहलें

9.43 मीडिया और मनोरंजन सेक्टर के प्रौद्योगिकीय उपायों, जिन्होंने आज मनोरंजन को पुन: परिभाषित किया है, के आलोक में समग्र रूप से समीक्षा किए जाने की जरूरत है। मीडिया और मनोरंजन उद्योग को सुसाध्य बनाने के लिए हाल के वर्षों में निम्नलिखित पहलें की गई हैं।

- सिनेमाघरों में फिल्मों की अप्राधिकृत रिकॉर्डिंग

के द्वारा फिल्मों की बढ़ती चोरी को ध्यान में रखते हुए, भारतीय छायांकन अधिनियम, 1952 में संशोधन करने के लिए एक विधेयक राज्य सभा में फरवरी, 2019 में प्रस्तुत किया गया था। इस विधेयक को विस्तृत जांच के लिए सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति को सदंर्भित कर दिया गया है।

- श्रव्य-दृश्य सेवा को सरकार द्वारा उन 12 चैम्पियन सेवा सेक्टरों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया है जिनका सकेन्द्रित विकास किया जाना है ताकि इसकी संपूर्ण संभावनाओं का दोहन किया जा सके। सूचना और प्रसारण मंत्रालय श्रव्य-दृश्य सेवाओं के संवर्धन हेतु विभिन्न प्रोत्साहनों का प्रस्ताव कर रहा है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं: विदेशों के साथ श्रव्य-दृश्य सहनिर्माण, भारत में विदेशी फिल्म की शूटिंग के लिए प्रोत्साहन, वैश्विक फिल्म सम्मेलन का आयोजन तथा टियर प्प और टियर प्प्प शहरों में एकल स्क्रीनों का संवर्धन।

- एनिमेशन, दृश्यात्मक प्रभावों, गेमिंग में विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने और इस सेक्टर में रोजगार सृजन करने के उद्देश्य से, सरकार एनिमेशन, दृश्यात्मक प्रभाव, गेमिंग और कॉमिक्स के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र (एनसीओई) को स्थापित करने की प्रक्रिया में है। भारत सरकार ने मार्च, 2018 में गोरेगांव, मुबई में महाराष्ट्र सरकार से भूमि का अधिग्रहण किया है। यह परियोजना भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली द्वारा निष्पादित की जा रही है।

- फिल्म और टेलिविजन के सेक्टर में पूर्वोत्तर के युवाओं के बीच प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की पहल के एक भाग के रूप में भारत सरकार ने अरूणाचल प्रदेश में फिल्म और टेलिविजन संस्थान स्थापित करने का निर्णय लिया है। परियोजना को 204.32 करोड़ रु. लागत के साथ स्वीकृत किया गया। एफटीआई, अरूणाचल प्रदेश के लिए नींव फरवरी, 2019 में रखी गई। एक अस्थायी परिसर इटानगर में स्थापित किया गया है जहां छोटे पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया।

## अंतरिक्ष सेवाएं

9.44 भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम पृथ्वी प्रेक्षण, संचार और नौवहन से सम्मिलित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के माध्यम से वृहत से सूक्ष्म स्तरों पर सामाजिक-आर्थिक संबंधी मुद्दों का निवारण करने लिए राष्ट्रीय विकास में योगदान करता है। विगत तीन दशकों के दौरान, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सरल मानचित्रण अनुप्रयोगों से जटिल मॉडलों के विकास, निर्णय समर्थन और शुरूआती चेतावनी प्रणालियों, अंतरिक्ष तथा व्युत्पन्न आदानों को शामिल करके परिपक्व हो गई है। उपग्रह आधारित मानचित्रण और प्रक्षेपण सेवाएं क्षेत्र हैं जिनमें भारत ने अपनी पहचान बनाई है और इनमें भविष्य के लिए अपार संभावनाएं हैं। भारत ने अंतरिक्ष परिवहन, पोलर उपग्रह प्रक्षेपण व्हीकल (पीएसएलवी), भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण व्हीकल (जीएसएलवी) तथा भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण व्हीकल मार्क-III (जीएसएलवी मार्क-III) के द्वारा विशेष उपलब्धी हासिल की है और उसे प्रचालनात्मक बनाने के माध्यम से पृथ्वी प्रेक्षण, संचार, नौवहन और अंतरिक्ष की खोज हेतु प्रक्षेपण उपग्रहों के लिए भारत ने अंतरिक्ष परिवहन में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है। इस अत्यधिक प्रतिष्ठित जटिल क्रायोजनिक रॉकेट प्रणोदन प्रौद्योगिकी को विकसित करने में भारत विश्व का छठा देश बन गया है और इससे अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण व्हीकल अर्थात् जीएसएलवी मार्क-प्प्प के लिए उच्च शक्ति के क्रायोजनिक इंजन एवं स्तर विकसित करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

9.45 उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में, मार्च 2019 को पीएसएलवी ने संचयी रूप से 324 उपग्रहों को प्रक्षेपित किया जिनमें 45 राष्ट्रीय उपग्रह, विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्मित 10 विद्यार्थी उपग्रह तथा 32 देशों से 269 अंतरराष्ट्रीय ग्राहक उपग्रह शामिल थे। पीएसएलवी के पास यह विशिष्ट सम्मान भी है कि उसने एक ही प्रक्षेपण में अधिकतम संख्या के उपग्रह,

104 उपग्रह प्रक्षेपित किए। जीएसएलवी मार्क-III ने उप-कक्षीय प्रयोगात्मक उड़ानों और तत्पश्चात दो विकासात्मक उड़ानों को सफलतापूर्वक पूरा किया। 14 नवम्बर, 2018 को अपनी दूसरी विकासात्मक उड़ान में, जीएसएलवी एमके-प्प्प ने भारतीय भूमि से सबसे भारी उपग्रह, जीसैट-29 को प्रक्षेपित किया तथा यह उपग्रह प्रचालनात्मक चरण में प्रवेश कर गया है। पहली प्रचालनात्मक उड़ान में, 2019 में, चंद्रयान-2 को प्रक्षेपित किया जाना निर्धारित है, जो भारत का दूसरा चंद्रमा संबंधी मिशन होगा और चंद्रमा की सतह पर उतरने का पहला मिशन होगा।

## भुवन सेवाएं

9.46 इसरो का भूमि-पोर्टल, भुवन बहु-संवेदी, बहु-प्लेटफार्म और बहु-लौकिक उपग्रह बिम्ब, विषयगत मानचित्र तथा पृथ्वी प्रेक्षण एवं आपदा प्रबंधन सहायता संबंधी अन्य व्युतपन्न सूचना उपलब्ध कराता है। वर्ष 2009 में इसकी शुरूआत से, अनुप्रयोगों के विविध क्षेत्रों में क्षैतिज रूप से और उच्च रेजोल्यूशन उपग्रह आंकड़ों सहित बिम्बों की संख्या, विषयगत और आपदा संबंधी सेवाओं के संबंध में इसने लम्बवत वृद्धि की है। वर्तमान में, विभिन्न अनुप्रयोगों के अंतर्गत भुवन द्वारा प्रस्तुत की गई 6500 से अधिक मानचित्र सेवाओं का उपयोग किया जा रहा है। भुवन को 20 से अधिक मंत्रालयों के पोर्टल तथा 30 से अधिक राज्यों के पोर्टल समृद्ध करते हैं और यह एकीकृत जल-विभाजक विकास कार्यक्रम (सृष्टि-दृष्टि), अमृत आदि सहित सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों को भी सक्रिय सहायता प्रदान कर रहा है।

## मैपिंग और जियोस्पेस्टिल सेवा

9.47 इसरो द्वारा प्रचालनात्मक कुछ अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में भू आंकड़ों के साथ समकालिक, उपग्रह आंकड़े शामिल हैं, जिनका कृषि-मौसम विज्ञान और बाज़ार अर्थशास्त्र पर ध्यान केन्द्रित करते हुए विश्लेषण किया जा रहा है ताकि फसल रकबा का अनुमान और देश में 8 प्रमुख फसलों अर्थात् गेहूं, चावल (खरीफ और रबी), सरसों, रबी ज्वार, जूट, सर्दियों का आलू, ईख, कपास के लिए) उत्पादन संबंधी मौसमी पूर्वानुमान लगाया जा सके। इसरो द्वारा विकसित तकनीक का प्रयोग करके, महलानोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केन्द्र (कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन) जिला/राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर नियमित रूप से फसलों का पूर्वानुमान लगाता है और सरकार को आयोजना तथा निर्णय लेने में सहायता प्रदान करता है। मानचित्रण और भू-स्थानिक विकसित सेवाओं पर आधारित कुछ प्रमुख सैटेलाइट डाटा में बागवानी फसल सूची, राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (एनएचपी) के अधीन हाइड्रो-इंफार्मेटिक उत्पाद, ग्रामीण स्तरीय भू-जल संभावना तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जल संसाधन सूचना और प्रबंधन प्रणालियां (टीडब्ल्यूआरआईएस/एपीडब्ल्यू-आरआईएमएस), एकीकृत जल संभरण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) के तहत जल संभरण निगरानी, पीएमजीएसवाई के तहत सड़क निर्माण की प्रगति की निगरानी, मगनरेगा का जीआईएस क्रियान्वयन (जिओ-मगनरेगा), विरासत स्थलों और स्मारकों के लिए वस्तु सूची और स्थल प्रबंधन योजनाएं, सभी शहरी वर्ग के लिए आवास (पीएमएवाई) के अधीन लाभार्थी घरों के निर्माण के स्तर की निगरानी, अमृत के अधीन शहरी मास्टर योजना तैयार करने के लिए भू-स्थानिक डाटाबेस, आदि शामिल हैं।

9.48 प्राकृतिक संसाधनों अर्थात बनस्पति, भू-आवरण, स्नो एवं ग्लेशियर तथा नम भूमि की आवधिक स्थिति का मूल्यांकन किया जा रहा है। इसके अलावा बंजरभूमि एवं बेकार पड़ी भूमि की स्थिति का राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन किया जा रहा है।

| अध्याय एक नज़र में |
|---|
| ➢ सेवा सेक्टर (निर्माण को छोड़कर) का भारत की जीवीए में 54.3 प्रतिशत का भाग है और इसने वर्ष 2018-19 में जीवीए की वृद्धि में आधे से ज्यादा का योगदान किया है। |
| ➢ सेवा सेक्टर के उप-सेक्टरों जैसे कि व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण सेवाओं की वृद्धि में कमी आने के कारण इस सेक्टर की वृद्धि 2017-18 में 8.1 प्रतिशत से आंशिक रूप से कम होकर 2018-19 में 7.5 हो गई। तथापि, वित्तीय सेवाओं, रियल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाओं की वृद्धि में बढ़ोतरी हुई। |
| ➢ भारत के सेवा सेक्टर ने जीवीए में अपनी हिस्सेदारी के समानुपात में रोज़गार सृजन नहीं किया। रोज़गार सृजन में सेवा सेक्टर की हिस्सेदारी 2017 में 34 प्रतिशत है जो जीवीए में अपने 54 प्रतिशत हिस्सेदारी से महत्वपूर्ण रूप से कम है। |
| ➢ सेवाओं में वृद्धि की नरमी विभिन्न अन्य उच्च बारंबरता वाले संसूचकों में दर्शायी गयाी है जैसे कि बैंक ऋण, निकी इंडिया सर्विसेज पीएमआई, हवाई सवारी यातायात आदि। |
| ➢ 2018-19 के दौरान सेवा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश इक्विटी अंतर्वाह पिछले वर्ष के लगभग 28.26 मिलियन डॉलर से 696 मिलियन अमेरिकी डॉलर अथवा 1.3 प्रतिशत घट गया। |
| ➢ भारत में 2017-18 में 10.4 मिलियन विदेशी पर्यटकों की तुलना में 2018-19 में 10.6 मिलियन विदेशी पर्यटक भारत आए। तथापि, पर्यटन से विदेशी मुद्रा का अर्जन 2017-18 में 28.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर 2018-19 में 27.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर आ गया। |
| ➢ 2017-18 में आईटी-बीपीएम उद्योग में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 167 बिलियन अमरीकी डॉलर पर आ गया। 2018-19 में इसके 181 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। |